डाक पंजीयन नं. 99/2021-23
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.aadhuniksamachar.com

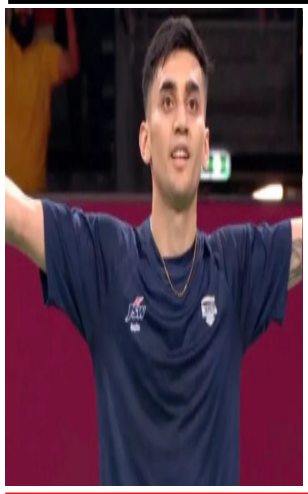

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -164 | प्रयागराज ,गुरुवार,07,सितम्बर, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

क्या आपने देखी है चंद्रमा की 3डी तस्वीर ये है चंद्रयान-3 का नया कारनामा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। धरती से देखने पर चांद सफेद नजर आता है,

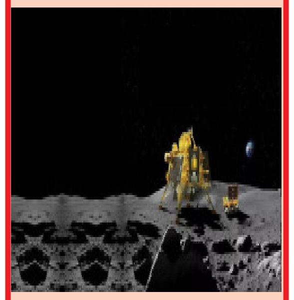

लेकिन अब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद विक्रम लैंडर और चंद्र सतह की 3-डी रंगीन तस्वीर जारी कर दी है। 3डी चश्मे से आप चंद्रमा के रंगीन मनमोहक दृश्य देख सकेंगे। इसे एनाग्लिफ तकनीक से तैयार किया गया है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया, इस एनाग्लिफ तस्वीर को नेवकैम स्टीरियो तस्वीरों का उपयोग करके बनाया गया है। इनमें एक रेड चैनल वहीं दूसरी ब्ल्यू और ग्रीन चैनल की हैं। दोनों को मिलाकर यह तस्वीर बनी है। इसरो ने कहा कि जब आप थ्रीडी चश्मे से देखेंगे तो आप लगेगा कि आप चंद्रमा पर खड़े होकर विक्रम को निहार रहे हैं। इस तस्वीर को रोवर प्रज्ञान में लगे कैमरे ने लिया था। यह तकनीक बड़ी उपलब्धि है। बता दें कि इससे विज्ञानियों को पहले से कहीं अधिक विस्तार से आकाशीय पिंडों का अध्ययन करने में मदद मिलेगी।

हर घर जल में कनेक्शनों की संख्या 13 करोड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ग्रामीण आबादी को नल से जल उपलब्ध कराने के केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन ने मंगलवार को एक और प्रमुख पड़ाव पार कर लिया। मिशन के तहत उपलब्ध कराए गए कनेक्शनों की संख्या 13 करोड़ के पार पहुंच गई। हर घर जल योजना पर काम करने के लिहाज से उत्तर प्रदेश ने सबसे अधिक प्रगति की है। देश के ग्रामीण आबादी को नल से जल उपलब्ध कराने के केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन ने मंगलवार को एक और प्रमुख पड़ाव पार कर लिया।

विपक्ष ने सरकार से पूछा संसद का विशेष सत्र बुलाने के पीछे की मंशा, कांग्रेस सांसद ने की सरकार से ये मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 'इंडिया बनाम भारत' विवाद ने देश में सियासी भूचाल ला दिया है। वहीं, विपक्षी केंद्र

सरकार द्वारा संसद का विशेष सत्र बुलाने के पीछे की मंशा को समझने की कोशिश में लगे हुए है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई का कहना है कि देश को इस 'विशेष सत्र' की खासियत नहीं पता है। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर भारतीय गठबंधन की बैठक में भाग लेने के बाद गौरव गोगोई ने संवाददाताओं से कहा, 'संसद का विशेष सत्र क्यों बुलाया जा रहा है, इसको लेकर केंद्र ने अब तक कोई भी स्पष्टीकरण नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि 12-13 दिनों के बाद संसद में एक विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है और देश को इस विशेष सत्र की विशेषता नहीं पता है।' गोगोई ने सरकार से पारदर्शिता और देश की जनता को विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में बताने की मांग की है। इंडिया गठबंधन में विपक्षी सहयोगियों की एकता के बारे में आशावाद व्यक्त करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा, 'भाजपा इंडिया गठबंधन की एकता को देखकर डरी हुई है। हमारी एकता को देखकर, लोगों को हमारे लिए एक नई उम्मीद है।' संसद के विशेष सत्र का एजेंडा क्या है 'इंडिया' ब्लॉक फ्लोर लीडर्स मीटिंग में शामिल हो चुके कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी संसद के विशेष सत्र के एजेंडे की मांग की है। पत्रकारों से बात करते हुए तिवारी ने कहा, 'क्या आपने कभी ऐसी सरकार देखी है जो विपक्ष के साथ बिना कोई बातचीत किए बिना संसद का एक सप्ताह का विशेष सत्र बुला लेती हो उन्होंने कहा, मैं इस विशेष सत्र का विषय जानना चाहता हूं। उन्होंने यह सत्र क्यों बुलाया है? क्या यह एजेंडा-रहित है हम कहां बैठेंगे एजेंडा जानना हमारा अधिकार है।'कांग्रेस सभी विपक्षी दल विशेष सत्र से पहले एक एजेंडा साझा करेंगे, जिसे लोगों के सामने रखा जाएगा। 'इंडिया बनाम भारत' विवाद पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि बीजेपी डरी हुई है क्योंकि विपक्षी गुट ने अपने गठबंधन का नाम 'भारत' रखा है। जानकारी के लिए बता दें कि इंडिया ब्लॉक की 24 पार्टियां 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में भाग लेने के लिए सहमत हो गई हैं। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल (एइझ) की अध्यक्ष सोनिया गांधी इन 24 पार्टियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखेंगी।

'मुआवजे के लिए खुदकुशी कर रहे अन्नदाता' किसानों पर शर्मनाक बयान देकर घिरे कर्नाटक के मंत्री

(आधुनिक समाचार सेवा)
हावेरी। देश में किसानों की खुदकुशी एक गंभीर समस्या है। हमारे देश में कई अन्नदाता कर्ज की बोझ से संघर्ष करते-करते अपनी जिंदगी को समाप्त कर लेते हैं। किसानों को उम्मीद होती है कि सरकार उनकी मदद करेगी, लेकिन कभी-कभी नेता कितने असंवेदनशील होते हैं, उसकी एक बानगी हमारे सामने है। कर्नाटक सरकार में गन्ना विकास मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा कि जब से कर्नाटक सरकार ने मृतक किसानों के परिवार को

मिलने वाला मुआवजा बढ़ा दिया है तब से राज्य में खुदकुशी करने वाले किसानों की संख्या में बढ़ोतरी हो गई है। शिवानंद पाटिल के इस बयान पर किसान संगठन ने आपत्ति जाहिर की है। किसान संगठन ने मंत्री के इस्तीफे की मांग भी कर डाली है। कर्नाटक सरकार में गन्ना विकास मंत्री शिवानंद पाटिल ने मंगलवार को एक ऐसा बयान दिया है, जिससे बवाल खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि जब से कर्नाटक सरकार ने मृतक किसानों के परिवार को मिलने वाला मुआवजा बढ़ा दिया है तब से राज्य में खुदकुशी करने वाले किसानों की संख्या में बढ़ोतरी हो गई है। शिवानंद पाटिल के इस बयान पर किसान संगठन ने आपत्ति जाहिर की है। इसी के साथ किसान संगठन ने मंत्री के इस्तीफे की मांग भी कर डाली है। मुआवजे पैकेज लेने की वजह से किसान कर रहे आत्महत्याः मंत्री उन्होंने आगे कहा कि सरकार के जरिए मृतक किसानों के परिवार को दिए जा रहे पांच लाख रुपये के मुआवजे पैकेज की वजह से राज्य में अधिक संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। हावेरी जिले में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि किसानों की आत्महत्या की रिपोर्टिंग से लोगों में दहशत पैदा हो रही है।उन्होंने आगे कहा,साल 2020 में 500 से अधिक किसानों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली थी। 2021 में 600 से अधिक किसानों ने आत्महत्या कर ली थी। लेकिन, यदि आप एफआईआर पर विचार करते हैं, तो यह आपकी गलती है। किसान विभिन्न कारणों से आत्महत्या कर रहे हैं। यहां तक कि प्रेम मामलों के कारण भी मौतें हो रही हैं। इसे किसानों की आत्महत्या से जोड़ा जा रहा है। मंत्री ने आगे कहा कि ठअगर किसानों के साथ अन्याय हुआ तो मुआवजे में देरी नहीं होगी। विधायकों पर स्वाभाविक रूप से लोगों का दबाव होता है। गलत रिपोर्ट से दहशत फैल जाएगी। इस निष्कर्ष पर न पहुंचे कि किसान की मौत आत्महत्या का मामला है। जिला किसान संघ के महासचिव मल्लिकार्जुन बल्लारी ने कहा कि संगठन उन्हें 50 लाख रुपये देगा और उन्हें आत्महत्या करने देगा। उन्होंने यह भी कहा कि पाटिल जहां भी जाएंगे, संगठन उनका घेराव करेगा और विरोध प्रदर्शन करेगा।

मणिपुर के सभी जिलों में लगा पूर्ण कर्फ्यू, अब नहीं मिलेगी ढील

(आधुनिक समाचार सेवा)
इंफाल। मणिपुर के घाटी के सभी पांच जिलों में मंगलवार शाम से एहतियात के तौर पर पूरी तरह कर्फ्यू लगा दिया गया है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

कोर्डिनेशन कमेटी आन मणिपुर इंटीग्रेशन और उसकी महिला शाखा के आह्वान के मद्देनजर बिष्णुपुर, ककचिंग, थौबल, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू में मिली रही छूट को रद कर दिया गया है। उन्होंने बुधवार को घाटी के जिलों के सभी हिस्सों के लोगों से चूड़चंद्रपुर से कुछ किलोमीटर दूर बिष्णुपुर जिले के फौगाकचाओ इखाई में सेना के बैरिकेड हटाने का अनुरोध किया था। फिलहाल घाटी के सभी पांच जिलों में प्रतिदिन सुबह पांच बजे से शाम छह बजे तक कर्फ्यू में छूट दी जारी है ।

पीएम मोदी जकार्ता के लिए होंगे रवाना, आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और ईस्ट एशिया समिट में लेंगे हिस्सा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले पीएम

नरेन्द्र मोदी जकार्ता (इंडोनेशिया) में होंगे। प्रधानमंत्री 06 और 07 सितंबर को जर्काता में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और ईस्ट एशिया समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी का वहां जाना बताता है कि भारत आसियान देशों के साथ अपने रिश्तों को कितनी अहमियत दे रहा है। यात्रा के दौरान पीएम मोदी मुख्य तौर पर तीन मुद्दों पर बात करेंगे। पहला मुद्दा होगा, समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक दीर्घकालिक एजेंडा तैयार करना। दूसरा, भारत व आसियान के बीच के मौजूदा कारोबारी समझौते में संशोधन की प्रक्रिया को तेज करना। तीसरा, चीन की तरफ से जारी नये मानचित्र को लेकर आसियान देशों के साथ बात करना। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) सौरभ कुमार ने बताया कि पीएम मोदी कुछ ही घंटों के लिए जकार्ता में ठहरेंगे। भारत के अनुरोध पर आसियान देशों ने भारत के साथ शिखर सम्मेलन और ईस्ट एशिया समिट का समय बदला गया, ताकि पीएम मोदी वहां से जल्द भारत के लिए फिर रवाना हो सके। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के अलावा इंडोनेशिया, मलयेशिया, ब्रुनेई, फिलीपींस, सिंगापुर, कंबोडिया, लाओस, थाइलैंड , म्यांमार और विएतनाम के राष्ट्र प्रमुख भी होंगे।

त्यौहारों को देखते हुए नोएडा में धारा 144 लागू, शांति भंग करने पर होगी सख्त कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा पुलिस ने मंगलवार (5 सितंबर) को एक आदेश में कहा कि 6 से 15 सितंबर तक पूरे नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सीआरपीसी की धारा 144 लागू रहेगी। पुलिस

ने आगामी त्योहारों और यहां महत्वपूर्ण सार्वजनिक बैठकों के दौरान ठशांति और सद्भाव बनाए रखनेठ के लिए यह कदम उठाया है। नोएडा में धारा 144 लागू होने के बाद सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर पूजा, नमाज, जुलूस या किसी अन्य धार्मिक कार्यक्रम जैसी धार्मिक गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि किसी भी अपरिहार्य स्थिति में क्षेत्र के पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त या पुलिस उपायुक्त से अनुमति लेनी होगी। पुलिस ने कहा कि यह आदेश आगामी त्योहारों जैसे 6-7 सितंबर को जन्माष्टमी और 7 सितंबर को चेहल्लुम और 12 सितंबर को ग्रेटर नोएडा में द्रोणाचार्य मेला को देखते हुए पारित किया गया है। इनके अलावा कुछ प्रतियोगी परीक्षाएं और किसानों की प्रमुख बैठकें हैं को लेकर यह कदम उठाया गया है। पुलिस ने एक बयान में कहा, ठत्यौहारों को देखते हुए असामाजिक तत्वों द्वारा शांति भंग करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा समय-समय पर सरकार, विभिन्न आयोगों, परिषदों आदि द्वारा विभिन्न परीक्षाओं, कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है, जिनके संबंध में निर्धारित तिथि से कुछ समय पहले सूचना दी जाती है और संचालन के लिए उचित उपाय भी किये जाते हैं। बयान में कहा गया है कि वर्तमान में अलग-अलग विभिन्न राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं, भारतीय किसान संगठनों और विभिन्न प्रदर्शनकारियों के विरोध-प्रदर्शन के कारण शांति भंग हो सकती है। इसलिए, गौतम बौद्ध नगर में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए किसी भी शरारती तत्व को ऐसी गतिविधियों को अंजाम देने से रोकना जरूरी है।

नागरिक इंडिया या भारत कहने को स्वतंत्रः सुप्रीम कोर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंडिया बनाम भारत के ताजा विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का रुख देश के दोनों नामों को समान स्वीकृति देने पर है। सर्वोच्च अदालत में एक जनहित याचिका को खारिज कर अपने फैसले में कहा था कि भारत कहने की कोई जरूरत नहीं अगर को देश को इंडिया बुलाना चाहता है तो उन्हें इंडिया बुलाने दीजिए। फिलहाल जी-20 के निमंत्रण पत्र के कारण विपक्ष की आलोचना की शिकार हो रही केंद्र सरकार ने तब सुप्रीम कोर्ट के

देश का नाम भारत या इंडिया बुलाने पर देश के सभी नागरिक स्वतंत्र हैं। जी-20 सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से दिए रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र पर 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखे जाने से उपजे विवाद के संबंध वर्ष 2016 में इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का रुख प्रासंगिक हो गया है। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश टीएस ठाकुर और जस्टिस यूयू ललित (अब दोनों सेवानिवृत्त) की खंडपीठ ने महाराष्ट्र के निरंजन भटवाल की जनहित याचिका को खारिज करते हुए पूछा था भारत या इंडिया अगर आप भारत बुलाना चाहते हैं तो अवश्य बुलाइये। देश को इंडिया के बजाय समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि देश को इंडिया के बजाय भारत कहने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार ने कहा कि परिस्थितियों में ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद एक को बदलने पर विचार करने की जरूरत हो। जनहित याचिका का विरोध करते हुए गृह मंत्रालय ने कहा था कि देश के नाम के संबंध में संविधान सभा में गहन बहस हुई थी। संविधान के अनुच्छेद 1 (1) के अनुसार भारत जो कि इंडिया है, राज्यों का संघ होगा। सुप्रीम कोर्ट ने तब याचिकाकर्ता को ऐसी याचिका पर फटकार भी लगाई थी।

क्या है संसद के विशेष सत्र का एजेंडा, आई एम डी आई ए की 24 पार्टियां लेंगी भाग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की 24 पार्टियां 18 सितंबर से शुरू

होने वाले संसद के विशेष सत्र में भाग लेने के लिए सहमत हो गई हैं। सूत्रों ने बताया कि इन 24 पार्टियों की ओर से कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखेंगी। यह निर्णय इंडिया गठबंधन फ्लोर लीडर्स की बैठक में लिया गया है इंडिया गठबंधन की 24 पार्टियां 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में भाग लेने के लिए सहमत हो गई हैं। सूत्रों ने बताया कि इन 24 पार्टियों की ओर से कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखेंगी। यह निर्णय इंडिया गठबंधन फ्लोर लीडर्स की बैठक में लिया गया है सोमवार शाम को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इंडिया गठबंधन के दलों के नेताओं की बैठक हुई। बैठक में संसद के विशेष सत्र में विपक्षी दलों द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों को भी अंतिम रूप दिया गया। सूत्रों ने कहा कि इन मुद्दों को सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी के जरिए सरकार को लिखित रूप में दिया जाएगा इंडिया गठबंधन की बैठक 'इंडिया बनाम भारत' राजनीतिक विवाद के आने के बाद आयोजित की गई थी। दरअसल, 9 सितंबर को दिल्ली में डिनर के लिए राष्ट्राध्यक्षों को आधिकारिक निमंत्रण ठइंडिया के राष्ट्रपतिठ के बजाय ठभारत के राष्ट्रपतिठ की ओर से भेजा गया है। 18-22 सितंबर तक संसद का पांच दिवसीय विशेष स इससे पहले पिछले हफ्ते केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 18-22 सितंबर तक संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र के बारे में जानकारी दी थी। हालांकि विशेष सत्र का एजेंडा अभी तक सामने नहीं आया है। वहीं, केंद्र सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने की जांच करने और सिफारिशें करने के लिए शनिवार को आठ सदस्यीय समिति का गठन किया था। एक देश, एक चुनाव की समिति के सदस्यों में पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हैं।

चुनाव से पहले अचानक यूरोप रवाना हुए राहुल गांधी, यहां जानिए असली वजह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।कांग्रेस नेता राहुल

गांधी मंगलवार (5 सितंबर) को लगभग एक हफ्ते के यूरोप दौरे पर रवाना हो गए। सूत्रों ने कहा कि अपने यूरोप दौरे पर गांधी यूरोपीय संघ के वकीलों, छात्रों और भारतीय प्रवासियों के साथ बैठकें करेंगे। उन्होंने कहा कि सांसद राहुल गांधी 7 सितंबर को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के वकीलों के एक ग्रुप से मिलेंगे और हेग में भी इसी तरह की बैठक करेंगे कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार (5 सितंबर) को लगभग एक हफ्ते के यूरोप दौरे पर रवाना हो गए। सूत्रों ने कहा कि अपने यूरोप दौरे पर गांधी यूरोपीय संघ के वकीलों छात्रों और भारतीय प्रवासियों के साथ बैठकें करेंगे। उन्होंने कहा कि सांसद राहुल गांधी 7 सितंबर को ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के वकीलों के एक ग्रुप से मिलेंगे और हेग में भी इसी तरह की बैठक करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष 8 सितंबर को पेरिस की एक यूनिवर्सिटी में छात्रों को संबोधित करेंगे। उनका 9 सितंबर को पेरिस में फ्रांस के श्रमिक संघ की बैठक में भी भाग लेने का कार्यक्रम है। इसके बाद, वह नॉर्वे का दौरा करेंगे, जहां वह 10 सितंबर को ओस्लो में एक प्रवासी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। 11 सितंबर तक भारत लौटेंगे राहुल जी20 शिखर सम्मेलन खत्म होने के एक दिन बाद 11 सितंबर तक राहुल गांधी के भारत लौटने की संभावना है। भारत जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसमें 30 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों, यूरोपीय संघ और आमंत्रित अतिथि देशों के शीर्ष अधिकारियों और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के भाग लेने की संभावना है।

यूपी का चिकनकारी तो हिमाचल का चंबा रुमाल, भारत मंडपम में राज्य अपने प्रमुख उत्पादों की करेंगे प्रदर्शनी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। आगामी नौ-दस सितंबर को भारत मंडपम में राज्यों के प्रमुख

उत्पादों की नुमाइश के लिए क्राफ्ट्स बाजार लगाए जाएंगे। ताकि जी-20 की बैठक में शामिल हो रहे देशों के प्रतिनिधि भारत के हस्तशिल्प कारीगरों के उत्पाद व उनकी खूबसूरती से वाकिफ हो सके और उन उत्पादों की खरीदारी भी कर सके। आगामी नौ-दस सितंबर को भारत मंडपम में राज्यों के प्रमुख उत्पादों की नुमाइश के लिए क्राफ्ट्स बाजार लगाए जाएंगे। ताकि जी-20 की बैठक में शामिल हो रहे देशों के प्रतिनिधि भारत के हस्तशिल्प कारीगरों के उत्पाद व उनकी खूबसूरती से वाकिफ हो सके और उन उत्पादों की खरीदारी भी कर सके। इससे उत्पादों की बिक्री क्षमता का भी पता चलेगा और उनके लिए नए बाजार का दरवाजा खुलेगा इसका यह भी फायदा होगा कि नुमाइश होने वाले उत्पादों की बिक्री क्षमता का भी पता चलेगा और उनके लिए नए बाजार का दरवाजा खुलेगा। जी-20 बैठक के दौरान मेहमानों को खादी के बैग में उपहार दिए जाएंगे और हरेक उपहार पूरी तरह से भारत मे निर्मित होगा।

अब हटाए जाएंगे लंबे समय से जमे चौकी प्रभारी, मिली यह शिकायत तो छीना जाएगा पद-सूची हो रही तैयार

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज से एक ही चौकी पर लंबे समय से जमे चौकी प्रभारी जल्द ही हटाए जाएंगे। इसके लिए उनके कार्यों का मूल्यांकन किया थी। थानेदारों के कार्यक्षेत्र में बदलाव के बाद अब चौकी प्रभारियों की बारी आ रही है। जिले में 231 पुलिस चौकी हैं, जिसमें कई दारोगा लंबे समय से प्रभारी के पद पर गंगानगर और यमुनानगर के कस्बा, ग्रामीण क्षेत्र में भी लोगों के सहयोग से सीसीटीवी लगवाए जा रहे हैं।आपरेशन दृष्टि के तहत 55 सौ कैमरे लगाए गए। पुलिस

जा रहा है। विभागीय कामकाज में ज्यादा रुचि न लेने वाले और शिकायतों के निस्तारण, कानून-व्यवस्था को बेहतर ढंग से न संभालने वालों और अपराध व अपराधियों पर ठीक ढंग से अंकुश न लगा पाने वालों को पद से पहले हटाया जाएगा। ऐसे कई चौकी प्रभारी भी हैं, जिनके खिलाफ तमाम तरह की शिकायतें भी उच्चाधिकारियों को मिली हैं। ऐसे में जल्द ही फेरबदल किए जाने की बात कही जा रही है। हाल ही में पुलिस आयुक्त की ओर से कई थाना प्रभारियों को पुलिस लाइन भेजा गया था। कई इंस्पेक्टर और दारोगा को थानेदारी की जिम्मेदारी दी गई तैनात हैं। ऐसे सभी दारोगाओं की सूची तैयार की जा रही है। उनके कार्यकाल के दौरान की गई विवेचना, गुडवर्क, आइजीआरएस की शिकायतों का निस्तारण समेत कई तथ्यों के आधार पर मूल्यांकन किया जा रहा है। बेहतर छवि और काम करने वालों को दूसरी चौकी मिल सकती है। इस बदलाव के बाद कानून-व्यवस्था के और बेहतर होने की उम्मीद की जा रही है। आपरेशन दृष्टि के तहत 55 सौ कैमरे लगाए गए. पुलिस महानिदेशक की ओर से चलाए जा रहे आपरेशन दृष्टि के तहत जिले में अब तक साढ़े पांच हजार सीसीटीवी लगवाए जा चुके हैं। शहर के अलावा महानिदेशक की ओर से चलाए जा रहे आपरेशन दृष्टि के तहत जिले में अब तक साढ़े पांच हजार सीसीटीवी लगवाए जा चुके हैं। शहर के अलावा गंगानगर और यमुनानगर के कस्बा, ग्रामीण क्षेत्र में भी लोगों के सहयोग से सीसीटीवी लगवाए जा रहे हैं। इन कैमरों को पुलिस के कंट्रोल रूम से कनेक्ट किया जाएगा, जिससे संदिग्ध लोगों की निगरानी हो सकेगी और अपराधियों पर शिकंजा भी कसा जा सकेगा। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने व्यापारियों, कोचिंग संचालकों समेत अन्य लोगों के साथ भी बैठक करके सीसीटीवी लगवाए जाने पर जोर दिया था।

अधिकारी ज्योति मौर्या को बड़ी राहत, बंद होगी जांच, आलोक भी अब लेंगे चैन की सांस

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के पति आलोक ने शासन को शिकायती पत्र भेजकर ज्योति पर

हर माह पांच से छह लाख रुपये वसूली का आरोप लगाया था। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने कहा कि अभी जांच रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले की जांच बंद हो सकती है। पति आलोक मौर्य भ्रष्टाचार के संबंध में लगाए गए आरोपों के समर्थन में कोई पुख्ता सबूत नहीं दे पाए। इसके साथ ही अपनी शिकायत वापस लेने के मामले में कमेटी ने यह निर्णय लिया है। इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएगी। उधर, ज्योति मौर्य द्वारा भी धूमनगंज थाने में पति आलोक मौर्य और ससुराल पक्ष के लोगों दर्ज उत्पीड़न के केस वापस लेने की चर्चा है। सूत्रों की माने तो ज्योति मौर्य और आलोक के बीच समझौता हो सकता है। आलोक मौर्य के द्वारा ज्योति मौर्य के खिलाफ शासन से की गई भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए शासन ने कमिश्नर प्रयागराज विजय विश्वास पंत को जांच करने का आदेश जारी किया था।

30 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी के फंदे पर लटक जीवन लीला समाप्त की

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज।प्रयागराज कमिश्नरेट

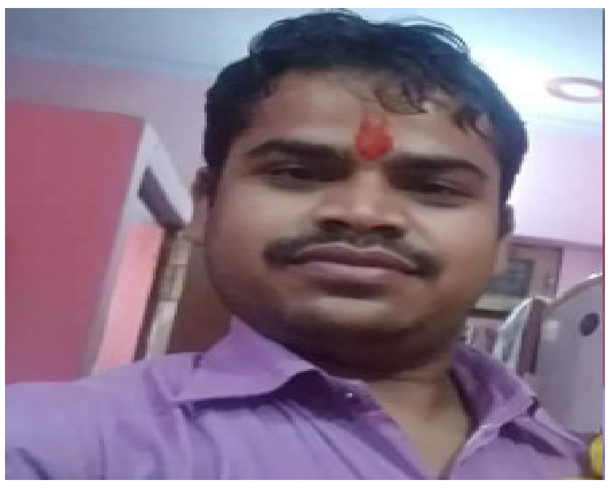

अतरसुईया थाना मीरापुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत हर्षवर्धन नगर इलाके में 30 वर्षीय व्यक्ति की आत्महत्या का मामला उजागर हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोज की तरह सब कुछ ठीक-ठाक था। बुधवार सुबह नीरज ने अपने मां-बाप के साथ नाश्ता किया। इसके बाद तीसरी मंजिल पर बने कमरे में चला गया। कुछ समय बीत जाने के बाद नीरज जब अपने कमरे से नीचे नहीं आया तो उसकी मां ऊपर कमरे में पहुंची बेटे को फांसी के फंदे में लटका देखा मां चीखने और चिल्लाने लगी। चीख पुकार की आवाज सुन आस पास लोग भी एकत्रित होने लगे। मृतक की पहचान नीरज केसरवानी पुत्र मक्खन केसरवानी (30 वर्ष) के रूप में की गई है। मोहल्ले वालों ने बताया कि नीरज केसरवानी फ्रूट क्रीम बेच कर परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। नीरज केसरवानी की मृत्यु से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक व्यक्ति की एक बेटी हैं। घटना की जानकारी पुलिस को मिली तो पुलिस मौके पर पहुंच कर बारीकी से मामले की जांच की। पुलिस ने घटना के बारे में परिजनों से जानकारी ली और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चरी भेजा।

एसआरएन को एमजी मार्ग पर लाने की तैयारी हुई शुरू, चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण को लेकर जारी किया टेंडर

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज।प्रयागराज के शहर महाकुंभ के पहले एसआरएन अस्पताल को महात्मा गांधी मार्ग पर लाने की तैयारी शुरू हो गई है। पीडीए की ओर से रविवार को अस्पताल की सड़क के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण को लेकर टेंडर जारी कर दिया गया। इसके साथ अस्पताल परिसर में मल्टी लेवल पार्किंग, 100 बेड़ों के आईसीयू समेत कई अन्य कार्य किए जाने हैं। पीडीए की तरफ से अस्पताल से एमजी मार्ग तक जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण का टेंडर जारी कर दिया गया है। इसके लिए एक करोड़ 90 लाख रुपये का अनुमानित बजट रखा गया है 12 महीने में तक के मार्ग, झुंसी में लोटस अस्पताल से कटका रोड तक के मार्ग, तेलियरगंज के संगम वाटिका पार्क से रसूलाबाद घाट तक के मार्ग, एडीए मोड़ नैनी से एडीए कालोनी तक के मार्ग, एडीए कालोनी नैनी से अरैल घाट तक की सड़क, पुराने यमुना पुल से लेप्रोसी चौराहे तक की सड़क,

ही महाकुंभ के पहले शहर की विभिन्न सड़कों के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के साथ ही विद्युतीकरण को लेकर किए जाने वाले कार्यों का भी टेंडर जारी किया गया है। एक साल के भीतर यह सभी कार्य किए जाने हैं। महाकुंभ 2025 की योजनाओं में स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के विस्तारीकरण का कार्य भी प्रस्तावित है। अस्पताल के मुख्य गेट को एमजी मार्ग पर लाने और इस कार्य को पूरा करना है। सड़क के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण के दौरान एसआरएन अस्पताल के पास के कई सरकारी बंगले भी हटाए जाएंगे। इसके अलावा पीडीए की ओर से नागवासुकी मंदिर का सौंदर्यीकरण कराने के लिए भी टेंडर जारी कर दिया गया है। यह कार्य नौ महीने में पूरा किया जाना है। नैनी के खरकौनी चौराहे से अरेल रोड तक की सड़क, झुंसी बस स्टैंड तिराहे से गंगा नदी तट आजाद पार्क से संगम पेट्रोलपंप तक की सड़क, पुराने यमुना पुल के नीचे की सड़क, मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग से छिवकी रेलवे स्टेशन तक की सड़क, फाफामऊ के शांतिपुरम में सेक्टर ए के अंदर से होते हुए बेला कछार तक के संपर्क मार्ग और गोविंदपुर सब्जी मंडी तिराहे से कोटेश्वर महादेव मंदिर शिवकुटी तक के मार्ग का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण, किया जाना है।

ललही छठ पर पुत्र की लंबी उम्र के लिए माताओं ने रखा उपवास, की पूजा,इंद्रजीत मिश्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। क्षेत्र में ललही छठ के अवसर पर महिलाओं ने पुत्र की

लंबी उम्र के लिए व्रत रखा तथा की पूजा अर्चना करके ललही माता का आशीर्वाद लिया। ललही छठ की पूजा भादो मास के कृष्ण पक्ष के षष्टी तिथि को होती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन छठ माता की पूजा करने से पुत्रों की रक्षा होती है। इस दिन छठ माता की पूजा सनातनी पूजा भी मानी जाती है। शंकरगढ़ क्षेत्र के नगर एवं ग्रामीण इलाकों के कपारी, गोबरा, लाला पुरवा, शिवराजपुर, गदामार, नौढीया, कल्याणपुर, बसाहरा, जूही, बेरुइ, कपसो, बंधवा, बैमरा, खान सेमरा, कटरा, आम गोन्दर, बिहारिया आदि गांवों में सोमवार को ललही छठ का पर्व धूमधाम से मनाया गया। पुत्र की लंबी उम्र की कामना के लिए माताओं ने पूजा अर्चना की। माताओं ने बेटे के स्वास्थ्य के लिए पूजन अर्चन के साथ ही सोहर गीता गाया परंपरा अनुसार गांव के पुरोहित ने गोट बनाकर कुश के जुटट्टे को जगह जगह बीच में स्थापित किया। इसके बाद क्षेत्र की माताओं ने ललही छठ माता की दीपक, धूप, दीप , नैवेद्य , फल आदि अर्पित करके पूजन अर्चन किया तथा पुत्र के दीर्घायु की कामना की। पूजन अर्चन में तिन्नी का चावल, तिन्नी की पूड़ी, भैंस की दही , महुआ, मिट्टी का भूकुआ व अन्य कई प्रकार के अन्न द्वारा छठ माता को भोग लगाया गया। इसके बाद इसी प्रसाद को वितरित किया गया। पूजा में राजकली, रेखा, रेनू, रुचि, सोना देवी, गीता देवी, कविता, श्याम कली, आदि महिलाएं शामिल रही।

इलाहाबाद में ब्राह्मण तो फूलपुर में पिछड़ी जाति के चेहरे की तलाश केशव का नाम भी चर्चा में

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज।प्रयागराज में वर्तमान समय दोनों ही महिला सांसद हैं। फूलपुर से केशरी देवी पटेल तो इलाहाबाद से डॉ.रीता बहुगुणा जोशी टिकट के दावेदारों की सूची में तो शामिल हैं ही, इसके अलावा कई अन्य नाम भी लोकसभा चुनाव इस बात की है कि इलाहाबाद ब्राह्मण तो फूलपुर संसदीय सीट से पिछड़ी जाति के नेता को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। प्रयागराज में वर्तमान समय दोनों ही महिला सांसद हैं। फूलपुर से केशरी देवी पटेल तो इलाहाबाद से डॉ.रीता बहुगुणा जोशी टिकट

के लिए सामने आए हैं। वर्तमान में लोकसभा में भाजपा के पास यूपी से 64 सांसद हैं, लेकिन सूत्रों की मानें तो इनमें तकरीबन 20 सांसदों का रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छी नहीं है।अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। विपक्षी एकता को देखते हुए देशभर में अपने वर्तमान सांसदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर फिर से चुनाव जीत सकने वालों सूची को भी अंतिम रूप दे दिया है। संगमनगरी की बात करें तो यहां लोकसभा की दो सीटें भाजपा के ही पास हैं। जातीय समीकरण को देख पार्टी के अंदरखाने में चर्चा के दावेदारों की सूची में तो शामिल हैं ही, इसके अलावा कई अन्य नाम भी लोकसभा चुनाव के लिए सामने आए हैं। वर्तमान में लोकसभा में भाजपा के पास यूपी से 64 सांसद हैं, लेकिन सूत्रों की मानें तो इनमें तकरीबन 20 सांसदों का रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छी नहीं है।ऐसे में एंटी-इनकंबेंसी से बचने के लिए पार्टी इन सीटों पर अपने उम्मीदवार बदलने पर विचार भी कर रही है। इस बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा प्रदेश संगठन की ओर से भी हुए आंतरिक सर्वे में कुछ सांसदों के नाम काटने को कहा गया है।

बालिग जोड़े को साथ रहने की स्वतंत्रता, किसी को हस्तक्षेप का अधिकार नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। कोर्ट ने कहा बालिग जोड़े को अपनी पसंद से साथ रहने या शादी करने की पूरी स्वतंत्रता है। किसी को भी उसके इस अधिकार में हस्तक्षेप करने का उसके इस अधिकार में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उसके इन अधिकारों में हस्तक्षेप अनुच्छेद 19 व 21 का उल्लंघन होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह ने गौतमबुद्धनगर की रजिया व अन्य

अधिकार नहीं है। उसके इन अधिकारों में हस्तक्षेप अनुच्छेद 19 व 21 का उल्लंघन होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह ने गौतमबुद्धनगर की रजिया व अन्य की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि बालिग जोड़े को साथ रहने की स्वतंत्रता है। माता-पिता सहित किसी को भी उनके शांतिपूर्ण जीवन में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। भले ही वे अलग जाति या धर्म के हों। कोर्ट ने कहा बालिग जोड़े के लिव इन रिलेशनशिप में रहने पर यदि कोई परेशान करता है या धमकाता है तो उसके अर्जी देने पर पुलिस कमिश्नर संरक्षण प्रदान करें। कोर्ट ने कहा बालिग जोड़े को अपनी पसंद से साथ रहने या शादी करने की पूरी स्वतंत्रता है। किसी को भी की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याची का कहना था कि दोनों बालिग है। अपनी मर्जी से लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। भविष्य में शादी करना चाहते हैं। मां बाप व परिवार के लोग नाखुश हैं। धमका रहे हैं। आशंका है कि उनकी हत्या की जा सकती है। चार अगस्त 23 को पुलिस कमिश्नर को शिकायत कर संरक्षण मांगा किंतु कोई कार्रवाई न होने पर हाईकोर्ट की शरण ली है। याचियों के खिलाफ अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं है। अपर शासकीय अधिवक्ता ने कहा कि दोनों अलग धर्म के है। मुस्लिम कानून में यह जिना (अपराध) है, दंडनीय गुनाह है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों के हवाले से कहा कि किसी भी बालिग जोड़े को अपनी मर्जी से साथ रहने का अधिकार है।

सुबह साढ़े तीन बजे थाने पहुंची एनआईए की टीम, नहीं हुई किसी को भनक, ये है छापेमारी की पूरी कहानी

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। मकान मालिक की मां विद्यावती देवी ने कहा कि बीएचयू में पढ़ने वाली तीन लड़कियां रहती हैं। करीब चार महीने से किराये हैं। लड़कियां अच्छी हैं। उनके कमरे पर किसी का बहुत आना-जाना नहीं होता है। एनआईए की पूछताछ के बाद आकांक्षा ने कहा कि आवास का दरवाजा एनआईए की टीम ने सुबह 5:30 बजे खटखटाया। कमरों की तलाशी और लैपटॉप को खंगालने के काफी देर बाद एनआईए के अफसरों ने कहा कि हमें शक है कि आप माओवादियों के संपर्क में हैं। इसके बाद कमरे में मिली पत्रिकाओं, पंफलेट, पर्चों, रसीदों सहित अन्य सामग्रियों के बारे में पूछताछ की गई। दोपहर करीब डेढ़ बजे एनआईए की टीम फ्लैट से बाहर चली गई। एनआईए की सात सदस्यीय टीम मंगलवार की तड़के 3:30 बजे लंका थाने पहुंची। लंका और चितईपुर थाने की फोर्स को साथ लिया, फिर आकांक्षा आजाद के ठिकाने पर छापा मारा। एनआईए की टीम ने पुलिस कर्मियों से कहा कि कोई भी किसी तरह का बयान मीडिया को नहीं देगा। आवास पर किसी को नहीं आने दिया जाएगा। शांति व्यवस्था बरकरार रखना है। इसके बाद दो महिला सब इंस्पेक्टर और सात कांस्टेबल के साथ एनआईए की टीम आकांक्षा के आवास में प्रवेश किया। बाहर पांच सब इंस्पेक्टर और 10 कांस्टेबल के साथ चितईपुर थानाध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा तैनात रहे। समर्थन में आए तीन छात्रों को पुलिस ने लौटाया एनआईए के छापे की जानकारी पाकर भगत सिंह छात्र मोर्चा से जुड़े तीन छात्र पहुंच गए। तीनों का कहना था कि आकांक्षा से मिलना चाहते हैं, लेकिन पुलिस ने तीनों रोक दिया।पार्षद ने कहा- तत्काल आवास खाली करें, अपशब्दों का कि बीएचयू में पढ़ने वाली तीन लड़कियां रहती हैं। करीब चार महीने से किराये हैं। लड़कियां अच्छी हैं। उनके कमरे पर किसी टीम के जाने के बाद बीएचयू के सामाजिक विज्ञान संकाय से एमफिल कर रही आकांक्षा आजाद ने बताया कि वह झारखंड के गिरीडीह की

प्रयोग किया एनआईए की टीम आकांक्षा आजाद के आवास से बाहर निकली तो कॉलोनी के लोग मौके जुट गए। करौंदी वार्ड के पार्षद श्याम भूषण शर्मा ने मकान मालिक से कहा कि तत्काल आवास खाली कराएं। आरोप है कि पार्षद ने आपत्तिजनक बात भी कही। इस पर बीएचयू की छात्रा आकांक्षा और सिद्धि आपत्ति जताई तो स्थिति हंगामेदार हो गई। चितईपुर थाने की पुलिस ने पार्षद और छात्राओं के साथ ही मौके पर मौजूद अन्य लोगों को हटाया और सभी को शांतिपूर्ण तरीके से रहने के लिए कहा। एहतियातन मौके पर क्यूआरटी तैनात की गई है। अच्छे से रहती हैं बीएचयू की छात्राएं मकान मालिक की मां विद्यावती देवी ने कहा का बहुत आना-जाना नहीं होता है। इनसे कोई दिक्कत नहीं है। छापे के दौरान क्या हुआ, इस सवाल पर बुजुर्ग विद्यावती देवी ने कहा कि हम तो खुद ही कैद थे। हमें क्या पता कि क्या हुआ और क्या नहीं हुआ।लखनऊ व बिहार नंबर की दो गाड़ियों से आई एनआईए की टीम व पुलिस की मौजूदगी से महामनापुरी कॉलोनी के लोग खबराए हुए थे। कॉलोनी की संकरी सड़क में एनआईए के दो वाहन खड़े होने के कारण लोगों को आने-जाने में असुविधा भी हो रही थी। जब तक एनआईए की टीम आकांक्षा और सिद्धि के आवास पर रही, तब तक जितने मुंह उतनी चर्चाओं का दौर चलता रहा। कोई डरा नहीं सकता, आवाज उठाते रहेंगे एनआईए की रहने वाली हैं। उनके साथ सामाजिक विज्ञान संकाय की एमए की छात्रा व चौकाघाट क्षेत्र की सिद्धि और नई दिल्ली की इप्शिता रहती हैं। इप्शिता फिलहाल घर गई है। बीते 27 अगस्त को देश भर में सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में आवाज बुलंद की थी। इसके एक सप्ताह बाद तीन राज्यों की एनआईए की टीम ने छापा मारा। इसका विरोध करते हैं। कोई हमें डरा नहीं सकता है। देश में नया ट्रेंड चल पड़ा है। जब कोई सत्ता के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसे नक्सली या आतंकवादी घोषित करने की मुहिम शुरू हो जाती है। आगे भी छात्र हित और समाज हित के लिए लड़ते रहेंगे।

हरिविलास होटल में लगी भीषण आग, तीन मंजिल तक फैली

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। बिजली की सप्लाई रोकीवाराणसी के पांच मंजिला हरिविलास होटल में भीषण आग लग गई। होटल में आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी है। वाराणसी के एक होटल में आग लगने की खबर सामने आई है। मिली जानकारी के मुताबिक, आग हरिविलास होटल में लगी है। आग अब तक तीन मंजिल तक फैल चुकी है। यह पांच मंजिल का होटल है। जहां शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल और आसपास के इलाके में बिजली आपूर्ति को बंद करा दिया है। यह घटना लक्सा थाना क्षेत्र के श्रीनगर कालोनी की बताई जा रही है।

समाज व महिला सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारियों को आज मिलेगा अवॉर्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। महिला सुरक्षा के प्रति विशेष जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाली महिला पुलिस अधिकारी और कर्मियों को अवॉर्ड मिलेगा। दरअसल, अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए पुलिस हर पल तत्पर रहती है। मां तुझे प्रणाम की अनूठी मुहिम के तहत बुधवार को कमिश्नरेट के पुलिस कर्मियों को मेरिटोरियस सर्विस अवॉर्ड दिया जाएगा। पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन अच्छा काम करने और मामलों को सुलझाने वाले पुलिस कर्मियों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाएंग महिला सुरक्षा के प्रति विशेष जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाली महिला पुलिस अधिकारी और कर्मियों को अवॉर्ड मिलेगा। दरअसल, अपराध मुक्त समाज की स्थापना के लिए पुलिस हर पल तत्पर रहती है। घर, परिवार की चिंता किए बगैर काम करती हैं। महत्वपूर्ण आयोजन में आर्यन प्रापर्टीज, पीतांबरी, सनबीम एकेडमी, एजीआर ऑटोमोबाइल्स, यूएन एकेडमी, चेतमणि ज्वेलर्स के साथ ही एसएसबी, स्वामी अतुलानंद हिंदू महाविद्यालय, उदय आटोसेल्स प्रा.लि., पंजाब नेशनल बैंक, द गोल्डेन थ्रेड का सहयोग है। स्काई टयूटोरियल्स, रोमा बिल्डर्स, खुराना ऑटोमोबाइल्स, जीत होम साल्यूशंस, डॉ. शशिकांत सिंह पीजी कॉलेज, वाराणसी डेवलपमेंट अर्थारिटी, अर्वाचीन हॉस्पिटल यूनियन बैंक भी सहयोगी हैं।

वाराणसी में सुबह-सुबह कई इलाकों में झमाझम बारिश, तापमान में गिरावट, उमस भरी गर्मी से राहत

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। मौसम में आए बदलाव की वजह से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी कमी आई है। पिछले तीन दिन में अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है। वाराणसी सड़क गिर गया। साथ ही कई जगहों पर टिनशेड भी उड़ गए। इस बीच कई दिनों बाद अच्छी बारिश होने से राजातालाब, रोहनिया, चौबेपुर आदि जगहों पर किसानों के चेहरे खिल उठे। इस बीच मौसम वैज्ञानिक प्रो.

में एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। बुधवार की सुबह कई इलाकों में झमाझम बारिश से मौसम सुहावना हो गया। हवा में भी ठंडक का एहसास हो रहा है। वहीं, दिनभर तेज धूप के बाद मंगलवार शाम छह बजे अचानक आसमान में बादल छा गए। कुछ देर में ही तेज हवा के साथ झमाझम बारिश होने लगी। इससे जहां मौसम खुशनुमा हो गया। वहीं तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। हवा के चलते दानगंज के पूरे धूसाह गांव में एक पेड़ बीच मनोज श्रीवास्तव ने भी अगले तीन-चार दिनों तक ऐसे ही मौसम बने रहने की संभावना जताई है। तीन दिन में चार डिग्री सेल्सियस गिरा पारा मौसम में आए बदलाव की वजह से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी कमी आई है। पिछले तीन दिन में अधिकतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है। तीन सितंबर को जहां 37.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा वहीं चार को 35.6 और पांच सितंबर को 33.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकार्ड किया गया।

हापुड़ की घटना के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन जारी, डीजीपी और मुख्य सचिव का प्रतीकात्मक पुतला फूंका

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। यूपी बार काउंसिल सदस्य अरुण कुमार त्रिपाठी, हरिशंकर सिंह व विनोद कुमार पांडेय, सेंट्रल बार अध्यक्ष प्रभु के सहायता देने की मांग की। अधिवक्ताओं ने कहा कि जो जांच कमेटी बनी है, उसमें यूपी बार काउंसिल के चेयरमैन और रिटायर्ड हाईकोर्ट जज को शामिल किया

नरायन पांडेय, महामंत्री शशिकांत दूबे, बनारस बार महामंत्री प्रदीप राय, अंजनी श्रीवास्तव, समेत काफी संख्या में वकील शामिल रहे। हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में यूपी बार कौंसिल के आह्वान पर वकीलों की हड़ताल जारी है। मंगलवार को वकीलों ने पुलिस विरोधी नारे लगाते हुए प्रदेश के डीजीपी और मुख्य सचिव का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया। साथ ही डीएम पोर्टिको पर प्रदर्शन किया। इसके बाद आयोजित सभा में हापुड़ के एसपी और सीओ के स्थानांतरण के साथ घटना में शामिल पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने के साथ घायल वकीलों जाए। कहा वकीलों की हड़ताल बुधवार को भी जारी रहेगी। इस मौके पर यूपी बार काउंसिल सदस्य अरुण कुमार त्रिपाठी, हरिशंकर सिंह व विनोद कुमार पांडेय, सेंट्रल बार अध्यक्ष प्रभु नरायन पांडेय, महामंत्री शशिकांत दूबे, बनारस बार महामंत्री प्रदीप राय, अंजनी श्रीवास्तव, समेत काफी संख्या में वकील शामिल रहे। यूपी बार काउंसिल के सदस्य अरुण त्रिपाठी ने बताया कि मंगलवार को वर्चुअल बैठक नहीं हो सकी। अब 8 मार्च को यूपी बार कौंसिल की बैठक प्रयागराज स्थित बार कौंसिल मुख्यालय पर होगी। इसमें आंदोलन की रणनीति पर चर्चा होगी।

चार घंटे चली अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी।जेसीबी मशीनों को देखकर विरोध में उतरे लोगस्थानीय

लोगों ने अतिक्रमण का विरोध किया तो अधिकारियों ने उनको समाझा बुझाकर हटा दिया। तीन बजे जब तोड़फोड़ बंद हुआ तो मलवा हटाने का कार्य शुरु हो गया। वाराणसी-भदोही मार्ग चांदपुर से परमपुर तक फोर लेन बनना है। अतिक्रमण की जद में आए मकानों और दुकानों पर लोकनिर्माण विभाग ने नापी करके निशान लगा दिया था। मंगलवार को प्रशासन पुलिस बल के साथ चार पांच जेसीबी मशीनों को लेकर अतिक्रमण तोड़ने पहुंचे।स्थानीय लोगों ने अतिक्रमण का विरोध किया तो अधिकारियों ने उनको समाझा बुझाकर हटा दिया। तीन बजे जब तोड़फोड़ बंद हुआ तो मलवा हटाने का कार्य शुरु हो गया। अधिकारियों ने बताया की अतिक्रमण की जद में आए सभी दुकानदारों और रह रहे लोगों से अपना सामान हटाने को कहा गया है।

खुद की जेब ढीली करिए तभी सुरक्षित रहेगा आप का घर

(आधुनिक समाचार सेवा)

गोरखपुर । प्राइवेट संस्थाएं 500 रुपये प्रतिदिन पर गार्ड दे रही हैं। दूसरे, पुलिस भी लोगों से अपील कर रही है कि वह अगर घर छोड़े तो पुलिस को सूचना दें, ताकि गश्त के दौरान घर की निगरानी की जा सके। अब खुद की जेब को ढीली करके ही आप अपने मकान को सुरक्षित कर सकते हैं। गोरखपुर जिले में चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, ऐसे में अपने घर की सुरक्षा खुद करनी होगी। इसके लिए कुछ रुपये जरूर खर्च होंगे, लेकिन लाखों के गहने, नकदी गायब होने से बच जाएंगे। प्राइवेट संस्थाएं 500 रुपये प्रतिदिन पर गार्ड दे रही हैं। दूसरे, पुलिस भी लोगों से अपील कर रही है कि वह अगर घर छोड़े तो पुलिस को सूचना दें, ताकि गश्त के दौरान घर की निगरानी की जा सके। अब खुद की जेब को ढीली करके ही आप अपने मकान को सुरक्षित कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, चोर आए दिन घरों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस गश्त की दलील तो देती है, लेकिन चोर सामान समेट कर चले जाते हैं। पुलिस को इसकी जानकारी तब हो पाती है, जब पीड़ित घूमकर या फिर रिश्तेदारी से लौटकर आते हैं।दूसरे, पुलिस को जब यह नहीं मालूम होता है कि किस मकान में ताला बंद है तो एक-एक घर की निगरानी भी संभव नहीं है। ऐसे में चोर आराम से चोरी करते है तो भी पुलिस के लिए यह समझ पाना मुश्किल है कि चोर ही है या फिर कोई और।अब लोगों को अपने सामान की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है तो सिक्योरिटी कंपनी वाले लुभावने आफर देने लगे हैं।

सुरक्षा का अभाव इस बात का गवाह हैं कि केवल जनता को सपना दिखाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरज़ापुर। आज़ादी के 76 वर्ष बाद भी जिले में पेयजल, प्रारम्भिक

शिक्षा, सड़क, सुरक्षा का अभाव इस बात का गवाह हैं कि केवल जनता को सपना दिखाया गया। जिले के हलिया ब्लाक में नागरिक इन सारी समस्या से आज भी जूझ रहे है। विंध्याचल में नाली की पानी से भक्तों को गुजरना पड़ता है । समस्या का समाधान केवल वादों से किया जा रहा है। कार्य करने वाले अधिकारियों को भी मना किया जा ताहै। यहाँ की पूर्व जिलाधिकारी दिव्या मित्तल जी ने जब पेयजल समस्या का निदान किया तो नेताजी नाराज हो गए। जीवन देने वाले पानी के पाइप लाइन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। जिसकी जितनी निंदा की जाय कम हैं। उक्त बातें सामाजिक संगठन राष्ट्रवादी मंच के संस्थापक मनोज श्रीवास्तव ने ओलियर घाट स्थित एक रेस्टोरेंट के में पत्रकार वार्ता के दौरान व्यक्त किया। कहा कि जनहित के रक्षण और समाज के मान, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए खुद जागना होगा। इसके लिए सामाजिक संगठन राष्ट्रवादी मंच का गठन कर सदस्यता अभियान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व 7 सितम्बर ,2023 से आरम्भ किया जा रहा है।

मीरजापुर का गौरव बढ़ाया मधुरिमा ने मुख्यमंत्री ने किया लोक भवन में सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरज़ापुर।आज शिक्षक दिवस के

अवसर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्य नाथ जी ने प्रदेश के बेसिक एवम माध्यमिक शिक्षको सहित लोक भवन लखनऊ में आयोजित शिक्षक सम्मान में मीरजापुर जिले की बेसिक शिक्षा परिषद रानी कर्णावती उच्च प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मधुरिमा तिवारी को अग्वस्त्रम, स्मृति चिन्ह , प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया ।मधुरिमा को पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर शिक्षक पुरस्कार मिला जो जिले के लिए अति सम्मान की बात है ।इनके अच्छे कार्यों के लिए हमेशा सम्मानित किया जाता रहा है । यह विद्यालय कभी खडहर था । आज कनवेंट की पीछे छोड़ कर आधुनिक शिक्षण के साथ ऑनलाइन शिक्षा टीवी , प्रोजेक्टर, वोटीनिकल गार्डन ,किचेन गार्डन,बागवानी आकर्षक पार्क,कक्षा में टाईलीकरण,प्रतेक वर्ष नामांकन में वृद्धि ,से आज विद्यालय को शिखर पर पहुंचाने का कार्य किया। आज सभी विद्यालयों में सीधा प्रसारण दिखाया जा रहा था ।प्रथम स्थान पर नाम आते ही रानीकर्णवती के बच्चे शिक्षको खण्ड शिक्षाधिकारी मुकेश कुमार खुशी से तालिया बजाने लगे सारे जिले में इनको प्रथम स्थान पर नाम आने पर सारे शिक्षको में खुशी की लहर व्याप्त है ।कार्यक्रम मुख्यमंत्री श्री योगी जी ,माध्यमिक शिक्षामंत्री गुलाब देवी ,बेसिक शिक्षा मंत्री श्री संदीप सिंह ने शिक्षको को संबोधित किया आज से टैबलेट एवम आई सी लैब का उद्घाटन भी मुख्य मंत्री जी के द्वारा किया गया ।

प्रदर्शन कर की जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरज़ापुर। जनपद को सूखाग्रस्त

घोषित करने व किसानों को कम बारिश होने के कारण हुए नुकसान का आंकलन कर मुआवजा दिए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र जिलाधिकारी कार्यालय में दिया।जिलाध्यक्ष प्रो. बी सिंह ने कहा कि मिर्जापुर जनपद में अपेक्षाकृत बहुत कम बारिश हुई है। इससे किसानों की फसल सूखने के कगार पर पहुंच गई है। पूरा जनपद सूखे की चपेट में है। उन्होंने जिले को सूखाग्रस्त करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जनपद को सूखाग्रस्त नहीं घोषित किया गया तो आम आदमी पार्टी किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करेगी। प्रदर्शन में सुनील कुमार पाण्डेय, दिलीप सिंह गहरवार, दिनकर चौबे, अनुराग सिंह पटेल, रविन्द्र कुमार चड्ढा, नसीम खान, आनन्द कुमार सिंह, सुशील कुमार पाण्डेय, रामबाबू यादव आदि शामिल रहे।

पंचायतों में रिक्त पदों के चुनाव के लिए बूथों पर पहुंचीं पोलिंग पार्टियां

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरज़ापुर। जिले में जिला पंचायत सदस्य के एक और दो ग्राम पंचायतों में प्रधान के रिक्त पदों के लिए हो रहे उपचुनाव के तहत मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां मंगलवार को ड्यूटी वाले बूथों पर पहुंच गईं। इससे पहले पोलिंग पार्टियां मंगलवार को सुबह संबंधित ब्लॉक मुख्यालयों से ड्यूटी वाले बूथों के लिए रवाना हुईं।राजगढ़ में जिला पंचायत सदस्य के एक तथा कोन व सिटी विकास खंड में एक-एक ग्राम पंचायत में प्रधान के रिक्त पद के हो रहे चुनाव में मतदान बुधवार को होगा। मतदान बुधवार को सुबह 7 बजे शुरू होगा और शाम पांच बजे तक चलेगा। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि राजगढ़ विकास खंड राजगढ़ के वार्ड नंबर तीन में जिला पंचायत सदस्य के रिक्त एक सीट के लिए हो रहे चुनाव में बुधवार को मतदान होगा। इसके लिए कुल 70 बूथ बनाए गए हैं। इसके अलावा सिटी विकास खंड के खरहरा में ग्राम प्रधान के रिक्त सीट के लिए हो रहे उप चुनाव में मतदान के लिए तीन बूथ बनाए गए हैं। इसी तरह से कोन विकास खंड के रामपुर में प्रधान के रिक्त पद के लिए हो रहे उपचुनाव में मतदान के लिए दो बूथ बनाए गए हैं।

मिर्जापुर जनपद को सूखाग्रस्त घोषित की जाय

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरज़ापुर। जनपद को सूखाग्रस्त घोषित करने एवं किसानों को सूखे के कारण हुए नुकसान का आंकलन

करके मुआवजा दिये जाने की माँग को लेकर आज आम आदमी पार्टी इकाई मीरजापुर के पदाधिकारियों द्वारा मीरजापुर के जिलाध्यक्ष प्रो0 बी0 सिंह के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए माँगों से सम्बन्धित मा0 मुख्यमंत्री महोदय उ0प्र0 को सम्बोधित ज्ञापन पत्र जिलाधिकारी मीरजापुर को सौंपा तथा बरसात ना होने के दृष्टिगत मिर्जापुर जनपद को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित करने की माँग किया। प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए आम आदमी पार्टी मीरजापुर के जिलाध्यक्ष प्रो0 बी0 सिंह ने कहा कि मिर्जापुर जनपद में बरसात अपेक्षाकृत बहुम कम हुआ, जिससे किसानों का फसल बर्बाद हो गया। पूरा जनपद सूखे की चपेट में है। किसानों की परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें नुकसान फसलों का मुआवजा देने के साथ जनपद मीरजापुर को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित करना चाहिए।

उल्टी-दस्त से पीड़ित दो महिलाओं की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। मौसम में उतार-चढ़ाव के साथ संक्रामक रोगों का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। मधुपुर मुख्य कस्बे की दलित बस्ती में उल्टी-दस्त शुरू होने के बाद सोमवार को कुछ ही घंटों में दो वृद्धों ने दम तोड़ दिया। कई अन्य का इलाज चल रहा है। सभी प्राइवेट अस्पताल में उपचार करा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को गांव में पहुंचकर दवा वितरित की।मधुपुर दलित बस्ती की रहने वाली गोटिया (80) पत्नी बैजनाथ एवं कमली (65) पत्नी जग्गू की मौत सोमवार की रात उल्टी दस्त से पीड़ित होने के बाद हो गई। वहीं सुभाष (36), फूलवंती देवी (47), शिवकुमार(55), बिंदु (30), रम्मन (70), विजय (38), प्रीति (24), कौशल्या (36), सुशीला (28) का इलाज प्राइवेट चिकित्सकों के यहां जारी है। पीड़ितों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में कोई सुविधा नहीं मिलती। इसलिए वह निजी अस्पताल में उपचार करा रहे हैं। उधर, मंगलवार को बीमारी की सूचना के बाद मधुपुर सीएचसी के कर्मचारी गांव पहुंचे। ग्रामीणों में ओआरएस पाउडर और कुछ दवाएं वितरित की। गांव में पेयजल के लिए ग्राम पंचायत के तरफ से बोरवेल में पंप एवं पानी टंकी लगवाई गई है। इसी से सभी को पानी उपलब्ध होता है।

कनहर नदी में डूबने से बालक की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। कोतवाली क्षेत्र के अमवार गांव में मंगलवार को निर्माणाधीन बांध के समीप कनहर नदी में डूबने से बालक की मौत हो गई। नदी में नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। देर रात उसका शव बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।अमवार गांव निवासी रामकेश्वर का पुत्र विकास (7) अपने चाचा रामेश्वर व चाची के साथ कनहर नदी में नहाने गया था। निर्माणाधीन बांध से करीब पांच सौ मीटर दूर नीचे की ओर चाचा-भतीजा नहा रहे थे, जबकि चाची किनारे कपड़ा धुल रही थी। अचानक फोन आने पर रामेश्वर पानी से बाहर आ गया। वह फोन पर बातचीत में मशगूल था। इसी बीच गहरे पानी में जाने से विकास डूब गया। कुछ देर बाद उसके न दिखने पर चाचा ने तलाश शुरू की। शोरगुल सुनकर अन्य लोग भी पहुंच गए। शाम करीब छह बजे विकास का शव नदी से बरामद हुआ। सूचना पर पहुंचे अमवार चौकी प्रभारी महेंद्र यादव ने बताया कि बालक पत्थरों के बीच खाई में फंस गया था। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अयोध्या के बाबा पहलवान ने जीती 3500 रुपये की कुश्ती

(आधुनिक समाचार सेवा)
जिगना। गोनौरा स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में जय हनुमान रामलीला एवं दंगल समिति की ओर से केला खाओ, गुब्बारा

फुलाओ, लंबी कूद व कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुश्ती प्रतियोगिता में अयोध्या के बाबा बजरंगी पहलवान ने गाजीपुर के अजय को पटखनी देकर 3500 रुपये का इनाम अपने नाम किया।वाराणसी बीएलडब्ल्यू के पहलवान राजेश ने गाजीपुर के अंगद पहलवान को चित कर 2100 रुपये का पुरस्कार प्राप्त किया। इसी तरह वाराणसी के नन्हकू पहलवान ने गाजीपुर के लालू को पटखनी देकर 2100 रुपये, वाराणसी के गोपी पहलवान ने भदोही के मोनू को चित कर 1500 रुपये इनाम जीता। लंबीकूद में शिवपुर के सचिन प्रथम, मछहा के दीपक यादव दूसरे नंबर पर रहे। केला खाओ प्रतियोगिता में शिवपुर के प्रद्युम्न प्रथम, बरबटा के सूरज द्वितीय रहे। गुब्बारा फुलाओ में बहुरियापुर के राहुल प्रथम, बृजेश द्वितीय रहे। मुख्य अतिथि एमएलसी विनीत सिंह रहे। इस दौरान प्रेम बहादुर सिंह, राजेंद्र पाठक, विरेंद्र कुमार तिवारी, जय सिंह, स्वामीनाथ सिंह, भरत सिंह, कृष्ण कुमार दीक्षित आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लबः शिक्षकों को किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरज़ापुर। रोटरी क्लब विंध्याचल द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित किया इस कड़ी में घनश्याम बिनानी एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट साइंस की डायरेक्टर डॉक्टर जीशान अमीर, जी. डी. बिनानी पी. जी. कॉलेज के पुर्व प्राचार्य डॉ. राम हर्ष गुप्ता, प्राथमिक विद्यालय सिरसी गहरवार के प्रधानाचार्य श्री सरिस सिंह, महाशक्ति इंटर मीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री सुशील कुमार सिंह, पूर्व डिस्ट्रिक ट्रेनिंग काउंसलर भारत स्काउट एंड गाइड श्री कृष्ण मोहन शुक्ला सहित श्रीमती नीलू सिंह सहायक अध्यापक बेसिक शिक्षा परिषद को उनके आवास एवम विद्यालय पर पहुंचकर अंग वस्त्रम , स्मृति चिन्ह व चांदी की पेन भेंट कर नेशन बिल्डर अवार्ड से सम्मानित किया गया । रोटरी क्लब विंध्याचल के अध्यक्ष सुशील झुनझुनवाला ने कहा कि शिक्षक दिवस सिर्फ शिक्षकों के लिए ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी गौरव का दिन है जब हम अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता अर्पित करते हैं। इस अवसर पर संजय सिंह गहरवार , महावीर सेठिया , डॉ. अमित केसरवानी, उदय गुप्ता एवं अमित सिंह आदि रोटेरियन साथी उपस्थित रहे।

डॉक्टर-कर्मचारियों का वेतन अटका

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। जिला संयुक्त चिकित्सालय का मेडिकल कॉलेज के रूप में संचालन तो शुरू हो

गया, लेकिन बजट का अभाव रोड़ा बन रहा है। हाल यह है कि चिकित्सक-कर्मचारियों को कई माह से वेतन नहीं मिला। अव्यवस्थाओं से नाराज कई जूनियर रेजिडेंट ने त्यागपत्र भी दे दिया है, जबकि कई अन्य ने नोटिस दिया है। बजट के अभाव में चिकित्सा सेवा प्रभावित हो रही है।चार राज्यों की सीमा पर स्थित आदिवासी बहुल जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए यहां जिला अस्पताल को उच्चीकृत कर मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। एक अप्रैल से स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के रूप में जिला अस्पताल का संचालन भी शुरू कर दिया गया है। जो कर्मचारी पहले स्वास्थ्य विभाग के अधीन थे, वह अब चिकित्सा शिक्षा विभाग में समायोजित किए जा चुके हैं। मेडिकल कॉलेज संचालन के बाद 26 जूनियर और दो सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर ने यहां कार्यभार भी ग्रहण किया था। डॉक्टरों की संख्या बढ़ने से लोगों को उम्मीद थी कि अब बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। ओपीडी व इमरजेंसी में जहां एक-एक डॉक्टर होते थे, वहां भी दो-तीन डॉक्टर की तैनाती से इसका असर भी मरीजों ने महसूस किया। कुछ महीने में ही व्यवस्था पूर्ववत होने लगी है। बजट की कमी से दुश्वारियां बढ़ गई हैं। अस्पताल में कई जरूरी सामानों की खरीद से लेकर डॉक्टर-कर्मचारियों का वेतन भुगतान भी प्रभावित है। किसी को चार तो किसी को दो माह से वेतन नहीं मिला है। जबकि पहले से तैनात 20 से अधिक चिकित्सकों और फार्मासिस्ट, वार्ड ब्वाय, स्टाफ नर्स सहित 50 से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों का वेतन भी अटका है। स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि बिना रणनीति तैयार किए ही जल्दीबाजी में जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के अधीन कर दिया गया। इस कारण ऐसी दिक्कत बनी है।कई ने छोड़ा मेडिकल कॉलेज मेडिकल कॉलेज में नियुक्त हुए छह नए चिकित्सक नौकरी छोड़कर चले गए हैं। करीब इतनों ने ही नोटिस दिया है, जो अगले माह तक यहां से चले जाएंगे। कई चिकित्सकों के जाने से सेवाएं प्रभावित होने लगी हैं। कोट बजट के अभाव के कारण वेतन का भुगतान नहीं हो पा रहा है। कुछ जूनियर रेजिडेंट ने पीजी करने का हवाला देते हुए नौकरी छोड़ा है। यह एक क्रमबद्ध प्रक्रिया है। पत्राचार किया जा रहा है। जल्द ही समस्या का समाधान होगा।

एक जिला पंचायत सदस्य सहित दो ग्राम प्रधान सीट के लिए वोटिंग जारी, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

(आधुनिक समाचार सेवा)
मीरज़ापुर। राजगढ़ तृतीय के जिला पंचायत सदस्य पर पहले रिंकी कोल निर्वाचित ही संबंधित गांव के मतदान केंद्रो पर ग्रामीणों की लंबी कतार लगी हुई है। चुनाव अधिकारी सहित आठ सितंबर को होगी। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देशन में सेक्टर मजिस्ट्रेट पर्यवेक्षण

हुई थी। बाद में छानबे विधानसभा के लिए हुए उपचुनाव में वे अपना दल एस की तरफ से प्रत्याशी बनी और विजयी हुई। उनके विधायक बनने के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी। इसी प्रकार रामपुर और खरहरा के प्रधान की सीट भी रिक्त थी। जनपद में एक जिला पंचायत सदस्य सहित दो ग्राम प्रधानों रिक्त पदों के लिए बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच उप चुनाव कराया जा रहा है। राजगढ़ विकासखंड में एक जिला पंचायत सदस्य सहित कोन विकासखंड के रामपुर व सिटी विकासखंड के खरहरा ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधानों के शुरू हुए उप चुनाव में सुबह 7:00 बजे से सुरक्षाकर्मियों के द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है यह भी पढ़ें- [illegible]: सुबह साढ़े तीन बजे थाने पहुंची एनआईए की टीम, नहीं हुई किसी को भनक, ये है छापेमारी की पूरी कहानी राजगढ़ तृतीय के जिला पंचायत सदस्य पर पहले रिंकी कोल निर्वाचित हुई थी। बाद में छानबे विधानसभा के लिए हुए उपचुनाव में वे अपना दल एस की तरफ से प्रत्याशी बनी और विजयी हुई। उनके विधायक बनने के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी। इसी प्रकार रामपुर और खरहरा के प्रधान की सीट भी रिक्त थी। मतगणना संबंधित विकासखंड मुख्यालय पर आठ सितंबर को होगी। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के निर्देशन में सेक्टर मजिस्ट्रेट पर्यवेक्षण कर रहे हैं। जिला विकास अधिकारी व नोडल अधिकारी श्रवण कुमार राय ने बताया कि सभी जगह पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान हो रहा है।जिला पंचायत वार्ड तीन के हो रहे चुनाव में मतदान की गति धीमी है। सुबह 9:30 बजे तक 2.3 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसमें अटारी में 1252 मत में 52 मत पड़े, बिशनपुर के 909 मत में 70 मत पड़े, कुंदरु के 940 मत में 60 मत पड़े, लालपुर के 1370 मत में 40 मत पड़े, पचोखरा के 1600 मत में 35 मत पड़े। इसी प्रकार राजापुर के 2000 मत में 15 मत पड़े। इस स्थिति के अनुसार मतदान की स्थिति बहुत ही धीमी चल रही है।

चीन ओपन के पहले दौर में बाहर हुए भारत के दो चैंपियन, महिला डबल्स में चीन दी मात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय यहां मलेशिया के एनजी त्जे योंग से तीन गेम तक चले मैच में हारकर चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन शेसार हिरेन रुस्तावितो से 13-21, 24-26 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे पुरुष सिंगल्स

मंगलवार को यहां मलेशिया के एनजी त्जे योंग से तीन गेम तक चले मैच में हारकर चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में बाहर हो गए। विश्व में छठे नंबर के भारतीय खिलाड़ी को एक घंटे छह मिनट तक चले मैच में मलेशिया के विश्व में 22वें नंबर के खिलाड़ी से 12-21, 21-13, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय मंगलवार को टूर्नामेंट के पहले दौर में बाहर हो गए। राष्ट्रमंडल खेलों के मौजूदा चैंपियन लक्ष्य सेन भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। उन्हें डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से 21-23 21-16 9-21 हार झेलनी पड़ी। राष्ट्रमंडल खेलों के मौजूदा चैंपियन लक्ष्य सेन भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। उन्हें डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से 21-23, 21-16, 9-21 हार झेलनी पड़ी। इसके बाद प्रियांशु राजावत को इंडोनेशिया के में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई महिला डबल्स में चीन से हारा भारत- महिला डबल्स में त्रिसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी चेन किंग चेन और जिया यी फैन की चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी से 18-21, 11-21 से हार गई। पीवी सधू के एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण आखिरी क्षण में हट जाने के कारण महिला □सगल्स में भारत की कोई भी खिलाड़ी भाग नहीं ले रही हैं।

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने टी20आई में किया धमाक वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट टीम का कर दिया क्लीन स्वीप

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पाकिस्तान महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 सीरीज में 3-0 से हराकर इतिहास रच दिया है। यह पहली बार है जब पाकिस्तान महिला टीम ने किसी टीम को सीरीज के सभी मैचों में बुरी तरह पस्त किया है। सीरीज का तीसरा और अंतिम टी20 मैच में सोमवार को खेला गया। पाकिस्तान महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 सीरीज में 3-0 से हराकर इतिहास रच दिया है। यह पहली बार है जब पाकिस्तान महिला टीम ने किसी टीम को सीरीज के सभी मैचों में बुरी तरह पस्त किया

है। पाकिस्तान टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाज करते हुए 150 रन जड़े और 6 रन से जीत हासिल की। पाकिस्तान टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉस हारने के बाद सिदरा अमीन और बिस्माह मारूफ ने टीम के लिए 39 जड़े। 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर पाकिस्तान ने 150 रन जड़े। पारी को वापस पटरी पर लाने में कप्तान निदा ने अहम योगदान दिया निदा ने 20 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाए। बिस्माह मारूफ और सिदरा अमीन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 49 रन जोड़े। इसी तरह बिस्माह ने निदा के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 49 रन जोड़े। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी टीम- तुमी सेखुखुने ने दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहीं, उन्होंने चार ओवरों में 24 रन देकर 2 विकेट लिए। / 24 के आंकड़े के साथ वापसी की। इसके अलावा नॉनकुलुलेको म्लाबा, नादिन डी क्लर्क और नोंडुमिसो शांगसे ने एक-एक विकेट चटकाए। पाकिस्तान ने जीता मुकाबला- 150 रन का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम की शुरुआत अच्छी रही। टीम की ओर से एस लुस ने एल वोल्वार्ट के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए सबसे अपने नाम किए। साउथ अफ्रीका की टीम ने इस साल महिला टी20 वर्ल्ड कप दसह टीम के फाइल में प्रवेश किया था।

अफगानिस्तान हारा पर मोहम्मद नबी ने जीता दिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अफगानिस्तान हारा पर मोहम्मद नबी ने जीता दिलअफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच मंगलवार को एशिया कप 2023 का आखिरी लीग मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर समाप्त हुआ। अफगानिस्तान को श्रीलंका के हाथों सांस थाम देने वाले मुकाबले में 2 रन की शिकस्त सहनी पड़ी।

श्रीलंका के कुमार संगकारा के नाम हैं सीडब्लू का ये खास रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा के नाम वनडे विश्व कप में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने का रिकॉर्ड है। सक्रिय खिलाड़ियों में कोई भी उनके करीब नहीं है। संगकारा ने अपने करियर में चार बार इस वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और कुल 54 शिकार किए। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा के नाम वनडे विश्व कप में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने का रिकॉर्ड है। सक्रिय खिलाड़ियों में कोई भी उनके करीब नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल विकेटकीपर माने जाने वाले एडम गिलक्रिस्ट भले ही संगकारा से पीछे हैं लेकिन विकेट के पीछे सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में उनसे आगे कोई भी नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल विकेटकीपर माने जाने वाले एडम गिलक्रिस्ट भले ही संगकारा से पीछे हैं, लेकिन विकेट के पीछे सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में उनसे आगे कोई भी नहीं है। गिलक्रिस्ट ने 45 कैच

आउट किए हैं, जबकि संगकारा ने 41 बार ऐसा किया था। बांग्लदेश के मुशफिकुर रहीम सक्रिय खिलाड़ियों में विकेट के पीछे सबसे ज्यादा आउट करने के मामले में आगे हैं। उन्होंने 2007 से 2019 विश्व कप तक कुल 29 मैच खेले हैं और 28 शिकार किए हैं, इनमें 21 कैच और सात स्टंपिंग शामिल है कुमार संगकारा श्रीलंका के महान बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने टीम की लंबे समय तक कमान संभाली है। 2011 विश्व कप में भी संगकारा की अगुआई में टीम खेलने उतरी थी। उसने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया था ।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का एलान स्टार बल्लेबाज हुआ ड्रॉप

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत की धरती पर खेले जाने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। टेस्ट क्रिकेट में टीम के सबसे धाकड़ बल्लेबाज माने जाने वाले मार्नस लाबुशेन को टीम में डेविड वॉर्नर पर इस मेगा इवेंट में टीम की नैया को पार लगाने की जिम्मेदारी होगी। मार्श इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं और उन्होंने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई टी-20 सीरीज में बल्ले से जमकर गदर काटा था। कैसा है गेंदबाजी अटैक ऑस्ट्रेलिया

शामिल नहीं किया गया है। वहीं, कैमरून ग्रीन पहली बार 50 ओवर के विश्व कप में खेलते हुए नजर आएंगे। ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप 2023 के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल नहीं किया गया है। वहीं कैमरून ग्रीन सेलेक्टर्स का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं। तेज गेंदबाज सीन एबॉट को टीम में शामिल किया गया है। जोश इंग्लिस को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप 2023 के लिए चुनी अपनी 15 सदस्यीय टीम में मार्नस लाबुशेन को नहीं रखा है। लाबुशेन का टीम में ना होने थोड़ा चौंकाने वाले फैसला भी है। तेज गेंदबाज सीन एबॉट को टीम में शामिल किया गया है। वहीं, कैमरून ग्रीन भी विश्व कप के लिं सेलेक्टर्स का भरोसा जीतने में सफल रहे हैं। जोश इंग्लिस को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है ऑस्ट्रेलिया ने बैटिंग में अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ पर भरोसा जताया है। स्मिथ के अलावा ग्लेन मैक्सवेल, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, मार्कस स्टोइनिस, टीम के गेंदबाजी अटैक की कमान कप्तान पैट कमिंस के हाथों में होगी। कमिंस का साथ मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, सीन एबॉट देते हुए नजर आएंगे। वहीं, स्पिन विभाग की जिम्मेदारी एडम जैम्पा, एश्टन एगर के कंधों पर होगी। स्टार्क का प्रदर्शन हर बार विश्व कप में आला दर्जे का रहा है और इस बार भी टीम अपनी प्रमुख तेज गेंदबाज से ऐसे ही दमदार प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया की पहली भिड़ंत भारत से 8 अक्टूबर को चेन्नई में होगी। विश्व कप के आगाज से ठीक पहले कंगारू टीम भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मुकाबला 22 सितंबर को खेला जाएगा, दूसरा मैच 24 और आखिरी मैच 27 सितंबर को खेला जाना है। वर्ल्ड कप 2023 के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, ट्रेविस हेड, एश्टन एगर, जोश हेजलवुड, कैमरून ग्रीन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जैम्पा, मिचेल स्टार्क, सीन एबॉट।

बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान ने इन ग्यारह खिलाड़ियों पर चला दांव, एक बदलाव के साथ उतरेगी बाबर एंड कंपनी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशिया कप 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले सुपर-4 राउंड के पहले मैच के लिए पाकिस्तान ने अपनी प्लेइंग इलेवन इमाम उल हक एकबार फिर पाकिस्तान टीम की पारी का आगाज करते हुए नजर आएंगे। वहीं, नंबर तीन की पोजीशन की जिम्मेदारी कप्तान बाबर आजम के कंधों पर

का एलान कर दिया है। भारत के खिलाफ आखिरी मैच में टीम का हिस्सा रहे मोहम्मद नवाज की जगह पर फहीम अशरफ को अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। हालांकि, इसके अलावा टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एशिया कप 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले सुपर-4 राउंड के पहले मैच के लिए पाकिस्तान ने अपनी प्लेइंग इलेवन का एलान कर दिया है। भारत के खिलाफ आखिरी मैच में टीम का हिस्सा रहे मोहम्मद नवाज की जगह पर फहीम अशरफ को अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। हालांकि इसके अलावा टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर-4 मैच के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन घोषित कर दी है। कप्तान बाबर आजम ने टीम से ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की है और सिर्फ एक बदलाव किया है। बल्लेबाजी में फखर जमान और होगी। मिडिल ऑर्डर में मोहम्मद रिजवान, आगा सलमान और इफ्तिखार अहमद रंग जमाते हुए नजर आएंगे। भारत के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहद उम्दा रहा था। शाहीन अफरीदी ने चार बड़े विकेट अपने नाम किए थे। वहीं, नसीम शाह और हैरिस रऊफ ने भी अपनी रफ्तार के दम पर जमकर कहर बरपाया था। यही वजह है कि पाकिस्तान टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले मैच में अपने पेस अटैक में कोई बदलाव नहीं किया है एशिया कप 2023 में अब तक पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। नेपाल के खिलाफ खेले गए टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में बाबर आजम एंड कंपनी ने 238 रन से जीत दर्ज की थी। बल्लेबाजी में कप्तान बाबर आजम ने 151 रन की यादगार पारी खेली थी। वहीं, इफ्तिखार अहमद ने भी अपने वनडे करियर का पहला शतक जमाया था।

राशिफल

मेष-: आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के जो लोग नौकरी में हैं।

वृष-: आज व्यापार की दृष्टि से शुभ समय है। सब कुछ अपनी सामान्य गति से काम करेगा. नौकरीपेशा जातकों के लिए नए अवसर प्राप्त करने का उत्तम समय है।

मिथुन-: ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे होंगे। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. भाई-बहन से किसी बात को लेकर मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

कर्क-: इससे आप अपनी व्यवसाय संबंधी समस्याओं को सुलझाने में पहल और अधिक रुचि ले सकेंगे। साझेदारी आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन ला सकती है।

सिंह-: थोड़ी सी मेहनत से आप अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकते हैं। नए जोड़ों के जीवन में खुशियां बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य की दृष्टि से आज का दिन बेहतर है।

कन्या-: व्यवसायी अपने व्यावसायिक कौशल और निर्णय लेने की क्षमता के कारण उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। आपके लिए आर्थिक लाभ कमाने के अप्रत्याशित रास्ते भी खुलने की संभावना है।

तुला-: घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको अचानक धन लाभ के अवसर मिलेंगे। आपको भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा। घर के बुजुर्ग आपके काम से प्रभावित होंगे।

वृश्चिक-: आपके विरोधी निष्क्रिय रहेंगे और महत्वपूर्ण अधिकारियों से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपने सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी और आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी।

धनु-: किसी काम में आपको सकारात्मक नतीजे मिलेंगे, जिससे आप खुशी महसूस करेंगे। आज कुछ पुराने दोस्तों से मुलाकात होने की भी संभावना है।

मकर-: आज का दिन आपके लिए परेशानी भरा हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए यह समय कठिन हो सकता है। व्यावसायिक दृष्टि से चीजें यथावत रहेंगी।

कुंभ-: आज आपको किसी खास काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है। आप परिवार के साथ कोई मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं।

मीन-: आज का दिन उत्तम है। जो लोग परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश में हैं या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं उन्हें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

शुभमन गिल ने बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड, बाबर आजम और इन दिग्गज बल्लेबाजों की चमक पड़ी फीकी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के उभरते हुए स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल ने एशिया कप 2023 में नेपाल के खिलाफ मैच विनिंग पारी खेलकर एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। गिल ने नेपाल के खिलाफ 62 गेंदों में 8 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 67 रन बनाए। भारतीय टीम के ओपनर शुभमन गिल ने सोमवार को नेपाल के खिलाफ मैच विनिंग पारी खेलकर एक वर्?ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। शुभमन गिल के सामने बाबर आजम और हाशिम अमला जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की चमक फीकी पड़ गई। गिल ने नेपाल के खिलाफ 62 गेंदों में 8 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 67 रन बनाए। जानिए शुभमन गिल ने अपने नाम कौन सा वर्ल्ड रिकॉर्ड किया। इस दौरान शुभमन गिल ने अपने वनडे करियर के 1500 रन पूरे किए। शुभमन गिल वनडे प्रारूप में सबसे तेज 1500 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने। भारतीय बल्लेबाज ने केवल 29 पारियों में 1500 वनडे रन पूरे किए। गिल ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, जिन्होंने 30

पारियों में यह आंकड़ा पार किया था। बता दें कि वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 1500 रन पूरे करने के मामले में रेयान टेन डॉशचाट (नीदरलैंड्स), जॉर्ज बैली (ऑस्ट्रेलिया), बाबर आजम (पाकिस्तान) और रासी वान डर डुसैन (दक्षिण अफ्रीका) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर काबिज हैं। इन सभी बल्लेबाजों ने 32 पारियों में 1500 रन का आंकड़ा पार किया। हालांकि, शुभमन गिल के सामने इन सभी दिग्गज बल्लेबाजों की चमक फीकी पड़ गई है।शुभमन गिल ने इस दौरान महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ा। गिल ने भारत के लिए ओपनर के रूप में 25 वनडे पारी में सबसे ज्यादा रन बनाए। गिल ने 1335 रन बनाए और सचिन तेंदुलकर (1151) का रिकॉर्ड तोड़ा। कप्तान रोहित शर्मा 1100 रन बनाकर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर है।23 साल के शुभमन गिल पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे थे, लेकिन नेपाल के खिलाफ उन्होंने जबरदस्त पारी खेली और फॉर्म में वापसी की। गिल ने कप्तान रोहित शर्मा (74) के साथ 147 रन की अविजित साझेदारी करके भारत को डीएलएस पद्यति के आधार पर 17 गेंदें शेष रहते 10 विकेट से मात दी। क्रिकेट की अधिक खबरें पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें याद दिला दें कि पल्लेकेले में खेले गए मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 48.4 ओवर में 230 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जवाब में भारत को बारिश के कारण 23 ओवर में 145 रन का संशोधित लक्?य मिला। टीम इंडिया ने बिना किसी नुकसान ने 20.1 ओवर में लक्ष्य हासिल करके सुपर-4 में एंट्री की।

कोलंबो में ही खेले जाएंगे एशिया कप सुपर-4 चरण के सभी मुकाबले, मैचों का स्थान बदलने पर एसीसी का फैसला

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने मंगलवार को सभी अटकलों को विराम देते हुए एशिया कप सुपर-4 चरण और फाइनल मैच कोलंबो में ही कराने की घोषणा की। कोलंबो में मौसम में सुधार होने के संकेत मिलने के बाद मैचों को किसी दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने का निर्णय टाल दिया गया एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने मंगलवार को सभी अटकलों को विराम देते हुए एशिया कप सुपर-4 चरण और फाइनल मैच कोलंबो में ही कराने की घोषणा की।बीते कुछ दिन से कोलंबो में भारी वर्षा के बाद इन मैचों को हंबनटोटा में कराए जाने की योजना थी लेकिन भारतीय टीम वहां खेलना नहीं चाहती थी।सुपर चार के श्रीलंका चरण की शुरुआत भारत और पाकिस्तान के बीच 10 सितंबर को होगा बीते कुछ दिन से कोलंबो में भारी वर्षा के बाद इन मैचों को हंबनटोटा में कराए जाने की योजना थी, लेकिन भारतीय टीम वहां खेलना नहीं चाहती थी। एसीसी ने मैचों को कोलंबो में कराने का निर्णय लेने से पहले श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी), पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और आधिकारिक प्रसारणकर्ता से बातचीत की एशिया कप के 5 मैचों के बदलेंगे स्थान प्रसारणकर्ता ने भी इतने कम समय में सुदूर दक्षिणी जिले हंबनटोटा में अपने उपकरण और कर्मचारियों को स्थानांतरित करने में परेशानी का हवाला दिया है। एसएलसी ने एशिया कप के सुपर चार चरण के पांच मुकाबलों और फाइनल के लिए वैकल्पिक स्थल के रूप में हंबनटोटा का नाम दिया था क्योंकि वहां पिछले कुछ हफ्तों में वर्षा नहीं हुई है।सुपर चार के श्रीलंका चरण की शुरुआत

भारत और पाकिस्तान के बीच 10 सितंबर को आर प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले मुकाबले के साथ होगी। यह दूसरा मौका होगा जब भारत एशिया कप के मौजूदा टूर्नामेंट में पाकिस्तान से भिड़ेगा। दोनों टीम के बीच लीग मैच वर्षा की भेंट चढ़ गया था। एसीसी ने भी मुकाबलों को पल्लेकेले या हंबनटोटा स्थानांतरित करने के सुझाव पर कुछ समय के लिए विचार किया था, लेकिन बाद में ऐसा नहीं करने का फैसला किया। पल्लेकेले में भी वर्षा हो रही है।

सम्पादकीय

यूनाइटेड यूनिवर्सिटी को आउटलुक आईसीएआरई रैंकिंग में मिला 9वां स्थान

शिक्षा के क्षेत्र में पिछले 3 दशकों से यूनाइटेड ग्रुप का नाम देश की टॉप यूनिवर्सिटी के लिस्ट में शामिल है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अपने योग्य और कुशल शिक्षकों की मदद से छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के साथ-साथ सही प्रोफेशनल मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में पिछले 3 दशकों से यूनाइटेड ग्रुप का नाम देश की टॉप यूनिवर्सिटी के लिस्ट में शामिल है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अपने योग्य और कुशल शिक्षकों की मदद से छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के साथ-साथ सही प्रोफेशनल मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। शिक्षा के जगत में

यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अपने काबलिय तारीफ प्लेसमेंट रिकार्ड्स के साथ-साथ अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए काफी प्रसिद्ध है। इसी श्रृंखला में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अब आगे बढ़ रही है। यूनाइटेड विश्वविद्यालय को निजी विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत राज्य सरकार द्वारा अनुमोदन प्राप्त है, और विश्वविद्यालय को यूजीसी, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है विश्वविद्यालय का ध्येय शिक्षार्थियों को उच्च गुणवत्ता और समकालीन शिक्षा प्रदान करके उनका समग्र विकास करना है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी मेडिकल, नर्सिंग, इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एग्रीकल्चर, लॉ, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म और एप्लाइड साइंसेज जैसे विभिन्न विषयों में विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अलावा यह यूनिवेर्सिटी ग्रेजुएशन की डिग्री से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन और पीएचडी तक की पढ़ाई के लिए बेस्ट माना जाता है। अपने यहां के छात्रों को वैश्विक स्तर पर रोजगार कुशल बनाने के लिए विशेष रूप से कई और मुख्य पाठ्यक्रम भी प्रस्तुत करता है, जिसमें प्रमुख रूप से ईं- छंश्, ँ.ऊाम्प् - छंश् शामिल है। साथ ही यहां पर फैकल्टी ऑफ लॉ की तरफ से बीए एल एल बी, एल एल बी, एल एल एम, मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म बीए जेएमसी, डिप्लोम इन होटल मैनेजमेंट, डिजाइनिंग के कोर्सेज, पीएचडी, बीएससी एग्रीकल्चर, एमएससी इन एग्रीकल्चर, बीकॉम, एमकॉम, बीबीए, एमबीए के साथ-साथ कई सारे कोर्सेज में लोग एडमिशन ले सकते हैं। इन कोर्स के अलावा यहां पर फैकल्टी इन मेडिकल साइंसेज भी है, जिसमें एमबीबीस, एमएससी इन मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, एमएससी इन मेडिकल एनाटोमी जैसे कई पाठ्यक्रम शामिल है यूनाइटेड यूनिवर्सिटी अपने बेहतरीन प्लेसमेंट रिकार्ड्स के लिए जाना जाता है। वर्ष 2022-23 में इस यूनिवर्सिटी के छात्रों को अधिकतम 13.2 लाख एलपीए के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ है। साथ ही यहां का औसतन प्लेसमेंट पैकेज 4.3 लाख एलपीए है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी के छात्रों को प्लेसमेंट देने वाली कंपनियों की सूची में देश की जानी-मानी कंपनियों के नाम शामिल है। जैसे यहां के छात्रों का प्लेसमेंट्स टाटा, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और फ्लिपकार्ट अन्य नामी कंपनियों में हुआ है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी को मिला 9वां स्थान बीत साल हुए आउटलुक के छ्ीं रैंकिंग में यूनाइटेड यूनिवर्सिटी को पूरे भारत के अलग-अलग राज्यों में उभरते हुए कई यूनिवर्सिटी में से 9वां रैंक मिला है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी को उसके बेहतरीन शिक्षा व्यवस्था, अच्छे प्लेसमेंट्स रिकार्ड्स और आकर्षक फैकल्टी के लिए ये स्थान मिला है।

समावेशी दृष्टिकोण ने बदली तस्वीर

एक समय साहित्य के तमाम पुरस्कारों पर एक वर्ग और वैचारिकता का कब्जा था। पर इन दिनों चूंकि पिछड़े भी सम्मान पाते हैं, इसलिए हाशिये के समाज का साहित्य अब वाम दौर की भांति साहित्य

के दबंग राजा-बाबू साहब की ठसक के नीचे दम नहीं तोड़ेगा। पिछले दिनों मलयालम साहित्य अकादमी ने नीला-चड़यन कथा संग्रह के लेखक 28 वर्षीय अखिल को अकादमी सम्मान देकर साहित्य की नई संभावना को प्रोत्साहित किया। बाल श्रमिक रहे अखिल की कोई प्रभावी साहित्यिक पृष्ठभूमि नहीं थी, न ही उनका कोई गॉडफादर था। कोरोना काल में पिता की फोटोग्राफी पिट चुकी थी और घरों में पत्र-पत्रिकाएं बांटने के जरिये अक्षरों से उनका संपर्क बचा हुआ था।अखिल की कहानी में मुझे अपनी कहानी दिखी और मैं चिंतित हुआ कि चालीस साल पहले मैं जहां खड़ा था, अफसोस कि आज अखिल के रूप में मेरा प्रतिरूप वहीं खड़ा है। उनकी तो अभी शिक्षा भी आगे नहीं बढ़ पाई, तो शोहरत और सम्मान क्या उन्हें जीविका के साधन मुहैया करा पाएंगे?बेबी हालदार ने कभी कहा था, लेखक बनकर नाम तो हुआ, पर काम मिलना बंद हो गया। साहित्य अकादेमी पुरस्कारों की वापसी से प्रेरित हो पिछले दिनों कई अन्य क्षेत्रों में सम्मान वापसी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का विचार चल रहा था। सुझाव आ रहा था कि पुरस्कार लेने वाले यह लिखकर दें कि वे सम्मान वापस नहीं करेंगे। सवाल उठता है अखिल जैसे जो लोग सच में सम्मान कमाते हैं, क्या वे किसी भी लहर में सम्मान लौटाते हैं। क्या किसी दलित आदिवासी से शपथपत्र लेने की कभी जरूरत पड़ी है अजीब यह हुआ कि कुलीनता और अभिजात प्रवृत्ति से आच्छादित साहित्य संसार मानव-संवेदना की कोई बड़ी मिसाल कायम नहीं कर पाया।

डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' कर रही आशंकित

देपसांग का मैदानी इलाका और डेमचोक जैसे विरासती मुद्दों पर बात नहीं हो रही है। डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' की रणनीति जहां आशंकित करती है, जिसके तहत छोटे-छोटे सैन्य ऑपरेशन चलाकर धीरे-धीरे किसी बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया जाता है, वहीं देपसांग रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले यानी 14 अगस्त को भारत और चीन के बीच सीमा मुद्दों के समाधान के लिए 19वें दौर की सैन्य वार्ता हुई। उनके पास वास्तव में समाधान के लिए कुछ भी नहीं था। नतीजतन 'एक-दूसरे के प्रति भरोसा जताने और सैन्य झड़पों से बचने' पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा इस वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। ध्यान देने की बात है कि पिछले कुछ दौर की सैन्य वार्ता में यही हो रहा है।वास्तविकता यह है कि भारतीय बलों ने अपने गश्त वाले क्षेत्र खो दिए हैं, दूसरी ओर, चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में काफी अंदर तक घुस आए हैं। देपसांग का मैदानी इलाका और डेमचोक जैसे विरासती मुद्दों पर बात नहीं हो रही है। डेमचोक में चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' की रणनीति जहां आशंकित करती है, जिसके तहत छोटे-छोटे सैन्य ऑपरेशन चलाकर धीरे-धीरे किसी बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया जाता है, वहीं देपसांग रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में चीनी सेना ने वहां स्थायी संरचनाएं बनाई हैं, जहां उनके सैनिक रहते हैं। बात सिर्फ इतनी नहीं है कि चीनी सेना ने भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया है, जैसा कि व्यापक रूप से भारतीय टिप्पणीकारों ने दावा किया है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत बड़ा नापाक मंसूबा भी दिखाई दे रहा है। इसलिए इन इलाकों को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। देपसांग मैदान भारत की सबसे ऊंची हवाई पट्टी दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) के करीब है। काराकोरम दर्रा डीबीओ के उत्तर पश्चिम में लगभग 17 से 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह क्षेत्र पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से सटा हुआ है, और पीओके के उस हिस्से से सटा हुआ है, जिसमें शक्सगाम घाटी शामिल है, जिसे वर्ष 1963 में एक सीमा समझौते के जरिये पाकिस्तान ने गैरकानूनी तरीके से चीन को सौंप दिया था। पाकिस्तान और चीन के बीच मिलीभगत की शुरुआत दरअसल यहीं से हुई। वर्ष 1959 में जब चीनी नक्शों में पाकिस्तान के इलाकों को चीन में दिखाया गया, तब पाकिस्तान इस बात से चिंतित हो उठा था। वर्ष 1961 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने इस संबंध में चीन को एक औपचारिक पत्र भी लिखा, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आया। फिर पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में चीन को सदस्य बनाए जाने के पक्ष में मतदान किया और बदले में चीन ने अपने विवादित नक्शे को जनवरी, 1962 में वापस लेने के साथ मार्च, 1962 में सीमा वार्ता में शामिल होने पर सहमति जताई। दोनों देशों के बीच 13 अक्तूबर, 1962 से वार्ता शुरू हुई, जिसके फलस्वरूप दो मार्च, 1963 को दोनों देशों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। जब यह सब हो रहा था, तब भारत चीन द्वारा भारतीय सीमा पर छेड़े गए युद्ध में उलझा हुआ था। तब समझौते के तहत पाकिस्तान ने करीब 5,300 किलोमीटर क्षेत्र चीन को सौंप दिया, जिस पर उसका कोई अधिकार नहीं था। ये भारतीय क्षेत्र थे। बदले में पाकिस्तान को वह क्षेत्र मिला, जिसे अब गिलगित-बाल्टिस्तान कहा जाता है। गिलगित-बाल्टिस्तान जम्मू और कश्मीर की पूर्व रियासत का एक हिस्सा है, जो 'भारत का अभिन्न अंग' है। इस प्रकार एक दोहरी साजिश रचकर उसे अंजाम दिया गया। द अमेरिकन टाइम ने 1963 में इस मुद्दे पर रिपोर्टिंग करते हुए स्पष्ट लिखा था कि कश्मीर मुद्दे के समाधान की पाकिस्तान की उम्मीद धूमिल हो गई है, क्योंकि पाकिस्तान-चीन समझौते के तहत उत्तरी कश्मीर के एक हिस्से पर पाकिस्तान के नियंत्रण को चीन ने मंजूरी दे दी है। इस विस्तारवादी साजिश की असलियत तब सामने आई थी, जब पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में 27 जुलाई, 1949 को भारत-पाक सैन्य कमांडरों द्वारा हस्ताक्षरित कराची फैसले से एक नापाक निष्कर्ष निकालते हुए सियाचिन ग्लेशियर के लिए विदेशी पर्वतारोहण अभियानों को मंजूरी दी। समझौते के अनुसार, इस संघर्ष विराम रेखा पर सबसे उत्तरी सीमांकित बिंदु एनजे 9842 है, जहां से इसे उत्तर की ओर ग्लेशियरों की ओर जाना था। पाकिस्तान ने अंतिम बिंदु के रूप में इसकी अविश्वसनीय ढंग से व्याख्या की, जहां से वह कथित तौर पर काराकोरम दर्रे में शामिल हो रहा था और इससे जुड़े सभी क्षेत्र को अपना बता रहा था। जब यह धोखाधड़ी सामने आई, तब इंदिरा गांधी की सरकार ने सैन्य अभियान चलाया और चीन-पाकिस्तान की साजिश को नाकाम कर दिया। लेकिन भारत एक विस्तारवादी शत्रु के खिलाफ अपनी सतर्कता कम नहीं कर सकता है, जो देपसांग मैदानों से 30 किलोमीटर की दूरी पर दौलत बेग ओल्डी में भारतीय बेस पर नजर गड़ाए हुए है। यह एक रणनीतिक बढ़त है, जो उन्हें सीपीईसी के तहत बनाई जा रही सड़क तक पहुंच प्रदान करेगा, और जो पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए, मगर भारत के दावे वाले क्षेत्रों से होकर गुजरती है। यही मुख्य वजह है कि भारत चीन की 'वन बेल्ट वन रोड' योजना में शामिल नहीं हुआ। चीनी शासन के अनुसार, उसके पूर्व प्रधानमंत्री झाउ एन लाइ ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि चीनी क्षेत्र काराकोरम दर्रे तक फैला हुआ है। ये दावे गैर-आधिकारिक और निजी तौर पर प्रकाशित मानचित्रों पर आधारित थे, जिन्हें शिन पाओ मानचित्र के रूप में जाना जाता है। वास्तव में, 1956 में ही चीन ने इन कार्यों के लिए समर्पित सर्वेक्षण एवं मानचित्रण ब्यूरो की स्थापना की थी। लेकिन शिन पाओ मानचित्रों का उपयोग सैन्य अभियानों में मंगोलों, उइगरों, कजाकों, ताजिकों और अन्य के क्षेत्रों पर कब्जा करने में किया गया था और वे बीजिंग शासन के आधिपत्य में थे। इस पृष्ठभूमि में भारत सरकार के लिए बेहतर यही होगा कि वह बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए चीनी गतिविधियों, रुख और दृष्टिकोण के संबंध में अपने निष्कर्षों का पुनर्मूल्यांकन करे और केवल एक राजनयिक उद्देश्य पूरा करने के लिए अपने क्षेत्रों की रक्षा करने से पीछे न हटे।

भविष्य के प्रति कैसी उम्मीद, नई पीढ़ी जानना चाहेगी असुविधाजनक प्रश्नों के उत्तर

माननीय प्रधानमंत्री ने नई सहस्राब्दी का बखान करते हुए उन चीजों की तरफ कोई संकेत नहीं किया, जिनका वादा जयंत सिन्हा कर रहे थे। नई सहस्राब्दी को लेकर जो विजन पेश किया जा रहा है, उस पर उठने वाले सवाल बेशक असुविधाजनक हों, पर देश का युवा इनके जवाब जरूर सुनना चाहेगा। 15 अगस्त को माननीय प्रधानमंत्री ने हजार साल की गुलामी के अंत और हजार ही साल के गौरव की शुरुआत के बारे में बात की। जाहिर है कि ये दोनों सहस्राब्दियां ठीक उसी जगह और उसी क्षण में मिल रही थीं, जहां वह उस वक्त खड़े थे, और बोल रहे थे। अगर यह वाकई सच होता, तो उनका यह भाषण ऐसी ही पहले घटित कुछ दूसरी घटनाओं की तरह युगप्रवर्तक होता। यह वैसा ही होता, जैसे सिद्धार्थ को बोध की प्राप्ति हुई हो या फिर यीशु का जन्म या फिर पैगंबर मुहम्मद को हुआ रहस्योद्घाटन। अगर भौतिक नजरिये से देखें, तो यह कुछ वैसा होता, जैसे पेड़ से सेब का गिरना, बिजली की खोज, टेलीफोन का आविष्कार, राइट बंधुओं की पहली उड़ान, परमाणु का विभाजन या फिर चंद्रमा पर मनुष्य के पहले कदम। उस युगांतकारी क्षण का मैं साक्षी न हो सका, इसका मुझे खेद है। खैर, मैं साक्षी बना रोजमर्रा की एक सांसारिक घटना का। राजदीप सरदेसाई ने इंडिया टुडे पर अपने एक शो में संसद के दो सदस्यों का मुकाबला कराया। इनमें से एक थे भाजपा के जयंत सिन्हा और दूसरे थे कांग्रेस के शशि थरूर। राजदीप ने अपने सवाल इनसे पूछे और दर्शक के तौर पर मौजूद थे कॉलेज के काफी जानकार और स्पष्टवादी छात्र। 'भारतॅ100' के बारे में दोनों अतिथियों के शुरुआती वक्तव्यों ने मेरी उत्सुकता बढ़ा दी। जयंत सिन्हा 2047 तक सतत समृद्धि की बात कर रहे थे, जबकि शशि थरूर 2047 तक समावेशी भारत की बात कर रहे थे। इससे मेरे दिमाग में एक सवाल आया कि हम दोनों को क्यों नहीं पा सकते? अपने-अपने राजनीतिक दलों की स्थिति को प्रतिबिंबित करने का दावा करने वाले दोनों सांसदों को सुनकर मेरे मन में एक पीड़ादायक विचार आया कि शायद भारत इनमें से कुछ भी नहीं पा सकता। बयानों में बड़ा फर्क मैं इस आलेख में जयंत सिन्हा द्वारा भारत के संविधान को सुरक्षित रखने, पंथनिरपेक्षता, संघवाद और मानवाधिकार को उनके पूर्ण समर्थन तथा कानून के शासन व जवाबदेहिता बनाए रखने के लिए किए गए उनके वायदे को गहराई से देखना चाहता हूं। मॉडरेटर के सीधे सवालों पर उन्होंने साफगोई से जवाब दिया, 'हां, आपको विवाह करने, भोजन करने और अपने धर्म को मानने का अधिकार है।' बगैर पलक झपकाए उन्होंने जोर देकर कहा, 'अपनी पार्टी के भीतर भी हम खुलकर अपने मतभेद व्यक्त कर सकते हैं। मैंने खुद अपनी पार्टी के वरिष्ठों से मिलकर और सभी गंभीर मसलों पर बात की है।' जब जयंत सिन्हा से पूछा गया कि उनके ख्याल से 2047 में देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा क्या होगा, तब उन्होंने कहा, 'स्वतंत्रता और अपने अनुसार जीने की आजादी।' मुझे यकीन है कि जयंत सिन्हा ने राजदीप सरदेसाई के शो में जो कुछ कहा, उस पर वह वाकई भरोसा भी करते होंगे। ठीक इसके अगले दिन हमारे 77वें स्वतंत्रता दिवस के दिन माननीय प्रधानमंत्री 90 मिनट तक बोले। मैंने उनके भाषण का अंग्रेजी अनुवाद पढ़ा। कुल मिलाकर देखें, तो यह पूरा भाषण 'मैं' और 'मेरा' पर आधारित था। इसमें उनके विचार थे, जो उन्हें लगता है कि पिछले नौ-10 साल की उपलब्धियां रही हैं। और, इसके बाद उन्होंने अपनी चिर-परिचित कोड भाषा में भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण को कोसना शुरू किया। हमें पता है कि उनके निशाने पर कौन हैं। इसमें विपक्षी नेता, गांधी परिवार और मुसलमान शामिल हैं। उसके बाद का उनका भाषण चुनावी रैली के अभ्यास जैसा था। हालांकि सच तो यह है कि पिछले नौ-10 वर्षों में कुछ भी नहीं बदला है। आइए, अब जरा जयंत सिन्हा के बयानों पर लौटते हैं और उन्हें माननीय प्रधानमंत्री के भाषण से जोड़ने की कोशिश करते हैं। जयंत सिन्हा कॉलेज के युवा छात्रों को यह आश्वस्त कर रहे थे कि 2047 का शताब्दी वर्ष एक स्वर्णिम काल होगा। लेकिन माननीय प्रधानमंत्री ने नई सहस्राब्दी का बखान करते हुए उन चीजों की तरफ कोई संकेत नहीं किया, जिनका वादा जयंत सिन्हा कर रहे थे। न उन्होंने संविधान के संरक्षण पर बात की, न पंथनिरपेक्षता या संघवाद पर, न मानवाधिकारों पर, न कानून के शासन पर और न ही जवाबदेही सुनिश्चित करने पर। जाहिर है कि जयंत सिन्हा और माननीय प्रधानमंत्री सहस्राब्दी की तस्वीरों पर अलग-अलग रंग भरते दिखे। असुविधाजनक सवाल जयंत सिन्हा के बयानों को अखबारों, टेलीविजन चैनलों और सोशल मीडिया पर रोज दिखने वाली खबरों के साथ मिलाकर देखते हैं। अगर कॉलेज के युवा छात्रों के पास अपनी पसंद से शादी करने का अधिकार है, तो अपने से अलग जाति या धर्म में शादी करने वाले जोड़ों को मारा, पीटा या परेशान क्यों किया जाता है? अगर कॉलेज के युवा छात्रों को अपनी पसंद के भोजन का अधिकार है, तो कर्नाटक में मांस को लेकर उठने वाले विवाद की क्या वजह रही थी? बजरंग दल, हिंदू महापंचायत और दक्षिणपंथी संगठनों की भूमिका क्या है और वे मुसलमानों और ईसाइयों के प्रति नफरत का जहर क्यों उगलते हैं? सबसे बड़ा सवाल, हमारे चारों तरफ इतनी हिंसा क्यों है? अगर कानून के शासन को बनाए रखने का वादा किया जा रहा है, तो दिल्ली में दंगों, मणिपुर में गृहयुद्ध जैसे हालात और नूंह, हरियाणा में सांप्रदायिक दंगों की वजह आखिर क्या है गरीबों के आवास और छोटी दुकानों को ढहाने के लिए बुलडोजर का सहारा क्यों लिया जा रहा है अगर संविधान की संरक्षित रखने की बात हो रही है, तो संसद में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के लिए कानून क्यों लाया गया और दिल्ली में उप-राज्यपाल और चुनी गई सरकार के बीच संविधानिक संतुलन को क्यों बिगाड़ा गया? ये असुविधाजनक सवाल हैं, लेकिन मुझे यकीन है, कॉलेज के छात्र इनका जवाब जरूर सुनना चाहेंगे। शो के अंत में जो दो सवाल पूछने की उन्हें अनुमति दी गई थी, वे सवाल अच्छे थे। शो भी काफी अच्छा था, लेकिन छात्रों के सवालों के जो जवाब दिए गए, वे संतोषजनक बिल्कुल नहीं थे। दरकिनार उम्मीदें मुझे उम्मीद है कि भाजपा में जयंत सिन्हा जैसे दूसरे नेता भी होंगे, जो पंथनिरपेक्षता, उदारवाद और वर्तमान संविधान को सुरक्षित रखना चाहते होंगे। अफसोस की बात है कि खुद उनकी पार्टी ही उन्हें काफी पहले दरकिनार कर चुकी है। नई सहस्राब्दी की शुरुआत की घोषणा उम्मीद नहीं, बल्कि डर दिखाती है।

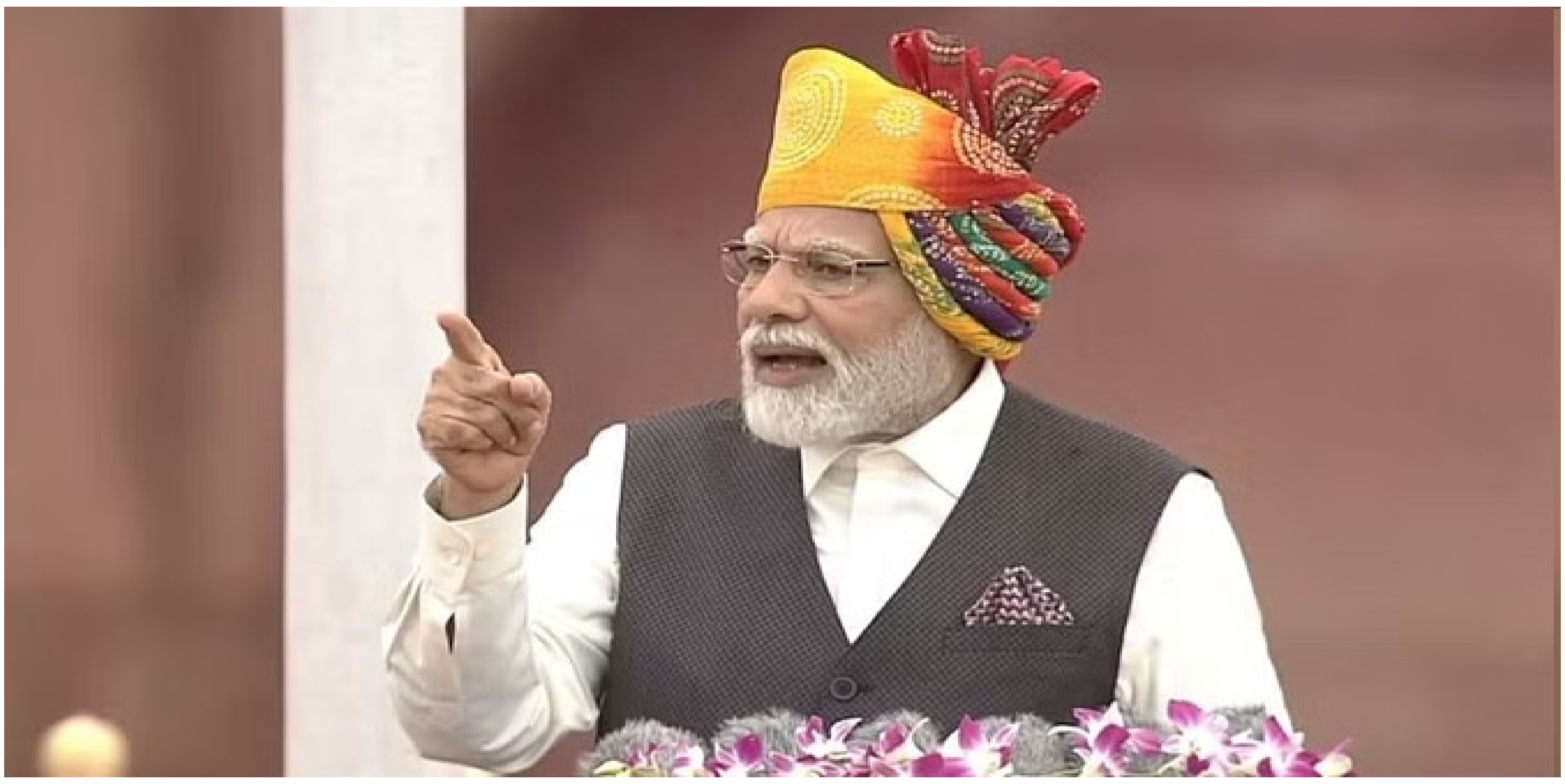

संक्षिप्त समाचार

एन डी आई ए के लिए सिरदर्द बन सकती हैं बंगाल की 42 सीटे

कोलकाता। 28 विपक्षी दलों को लेकर इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस (आइएनडीआइए) तो बन गया लेकिन उनके बीच अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में सीटों के

बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस (आइएनडीआइए) तो बन गया लेकिन उनके बीच अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। वह भाजपा के खिलाफ संयुक्त रूप से एक प्रत्याशी खड़ा करने के पक्ष में हैं यानी जहां जो पार्टी सबसे मजबूत स्थिति में है उसी के प्रत्याशी को भाजपा के विरुद्ध मैदान में उतारा जाए। बंगाल की बात करें तो यहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस से लेकर कांग्रेस व माकपा नेतृत्व वाले वाममोर्चा तक कोई अपनी सियासी जमीन छोड़ने को तैयार नहीं हैं। मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी चाहती हैं।

सनातन विरोधी उदयनिधि के बयान पर जारी घमासान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म विरोधी बयान को लेकर हमलावर रुख जारी रखते हुए भाजपा ने मंगलवार को उदयनिधि की तुलना तानाशाह हिटलर से की। भाजपा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, उदयनिधि की सोची समझी टिप्पणी नफरत फैलाने वाली है। उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म विरोधी बयान को लेकर हमलावर रुख जारी रखते हुए भाजपा ने मंगलवार को उदयनिधि की तुलना तानाशाह हिटलर से की। यह सनातन धर्म का पालन करने वाली भारत की 80 प्रतिशत आबादी के नरसंहार का आह्वान है। स्टालिन के लिए कांग्रेस और आइएनडीआइए गठबंधन का समर्थन सबसे ज्यादा परेशान करने वाला है।

श्री राधे कृष्ण सेवा मंडल द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 के श्री राधे कृष्ण सेवा मंडल के द्वारा कल

6 सितंबर को भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव पॉकेट 7 सेक्टर 82 नोएडा में ब्लॉक (33- 26) सेंट्रल पार्क के नजदीक धूमधाम से मनाया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाने के लिए भव्य पंडाल सज रहा है।पूरे पंडाल को फूलों और गुब्बारों से सजाया जाएगा। श्री राधे कृष्ण सेवा मंडल के बरिष्ठ सदस्य किसान नेता रवि राघव ने हमारे संवाददाता देव मणि शुक्ल को बताया है कि इस सोसायटी में हर बर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। शाम 8 बजे से 10 बजे तक गायक जितेंद्र की मंडली द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम होगा उसके पश्चात श्री धाम वृंदावन के गौ भक्त कन्हैया दास जी के मुखारविंद से भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन संगीतमय किया जाएगा एवं रात्रि 12:00 बजे श्री कृष्ण जन्मोत्सव, आरती तत्पश्चात प्रसाद का वितरण किया जाएगा। आप सभी सम्मानित धर्मानुरागियों से आग्रह है कि समय पर पहुंच कर धर्म लाभ अर्जित करें।

जब तक सूरज, चांद रहेगा तब तक भारत का नाम रहेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। हमारे देश में 'भारत बनाम इंडिया' को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इन दो नाम को लेकर सियासत भी जारी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को दावा किया कि जी-20 शिखर सम्मेलन के निमंत्रण पत्र पर 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' के स्थान पर 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखा गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ये भी दावा किया कि हर राज्य के लोग चाहते हैं कि देश को भारत के नाम से जाना जाए जब तक सूर्य और चंद्रमा रहेंगे हमारा देश भारत के नाम से जाना जाएगा। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी दल हिंदू धर्म और भारत नाम को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं। इसके बाद कांग्रेस नेता की ओर से मोदी सरकार के खिलाफ बयान आना शुरू हो गया। कई विपक्षी नेताओं ने कहा कि भाजपा विपक्षी गठबंधन के नाम आईएनडीआईए (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) से डर गई है। कांग्रेस ने ये भी दावा किया कि सरकार देश का नाम बदलने जा रही है। इसी बीच मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने एक्स हैंडल के जरिए एक पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा,ठरिपब्लिक ऑफ भारत खुश और गौरवान्वित है कि हमारी सभ्यता साहसपूर्वक अमृत काल की ओर आगे बढ़ रही है।ठ इसके बाद भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर सवाल किया कि उन्हें देश के सम्मान और गौरव से जुड़े हर विषय पर आपत्ति क्यों है।

प्रभारी मंत्री कुवंर बृजेश सिंह का नोएडा, कार्यकर्ताओं के घर रहा संपर्क

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। प्रभारी मंत्री कुवंर बृजेश सिंह नोएडा में कार्यकर्ताओं से मिले

और उनके घर गये। इसके चलते पहले वो गांव बिशनपुरा में बालकराम प्रधान के निवास पर गये। वहां उन्होंने दलित समाज के प्रतिनिधियों के मुलाकात की, उनके साथ इस मौके पर जिलाधिकारी मनीष कुमार, जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता, जिला महामंत्री गणेश जाटव, उमेश त्यागी भी उपस्थित रहे और प्रधान जी के निवास पर भोजन भी किया। इसके बाद माननीय मंत्री, रवि यादव जिला मंत्री भाजपा के आवास सेक्टर 53 पहुँचे। जहां वो सभी कार्यकर्ताओं से मिले और साथ ही वहाँ की स्थानीय समस्याओं पर चर्चा करी। माननीय मंत्री अपने हर प्रवास कर कार्यकताओं के यहाँ जाते हैं और सभी वर्ग के लोगो के साथ मिलते हैं। इस मौके पर लोकेश यादव , भीमराज जाटव, प्रीतम सिंह, जगत सिंह, हरिनिवास, सोहनलाल, धर्मपाल, बहादुर सतपाल सिंह, रोहित कुमार, सौरभ चौधरी गोपाल चौधरी सतेन्द्र सिरोही भी रहे।

सामाजिक संगठन महिला उन्नति संस्था ने शिक्षा दिवस पर शिक्षिकाओं को समानित किया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सामाजिक संगठन महिला उन्नति संस्था(भारत) हमारे विशेष एवं महत्वपूर्ण शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य मे जनपद गौतमबुद्धनगर को समय समय से जागरूक करते रहे । जो विद्यार्थी इंग्लिश मीडियम के है, उन्हे भविष्य में भी अपनी मातृ भाषा हिंदी को जरूर लिखे और बोले । आज के स्कूलों को

के देहात क्षेत्र, प्राइमरी सरकारी स्कूल, सेक्टर 5, हरोला, नोएडा मे शिक्षा की लौ जगा रही प्रधानाचार्य, किरण बालाजी एवं अन्य महिला शिक्षिकाओ को आज फूलमाला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया।ङ । शिक्षिकाओं की अहम भूमिका अपने ज्ञान और प्रतिभा से विधार्थियो को शिक्षा के माध्यम से उनको, उनके परिवार को, समाज और राष्ट्र को समृद्ध,शिक्षित एवं समृद्ध बनाने में उनका योगदान सराहनीय है । उन्हें शिक्षा के माध्यम से हमारे भारत वर्ष के ऐतिहासिक एवं संस्कारों के बारे में अपनी मातृ भाषा हिंदी, जो की बहुत सरल है, एक दूसरे की बात को आसानी से समझा जा सकता है, विधार्थियो देखा गया, स्कूल में स्वच्छता, अनुशासन एवं पढ़ाई भी बहुत ही सराहनीय है । यह जो भी कुछ हो रहा है, सिर्फ और सिर्फ प्रधानाचार्य एवं शिक्षिकाओं के कारण, बेखूबी से हो रहा है इस कार्यक्रम में गौतम बुद्ध नगर की अध्यक्षता, नोएडा देहात अध्यक्ष के नेतृत्व, पूजा अवाना, नोएडा महानगर अध्यक्ष कविता सिंह(गरिमामई भूमिका), अध्यपिकाए पूजा,विनीता, संगीता,जीनू, दीपा, सुमन, जिला पदाधिकारी मीना गौतम, रामदत्त शर्मा, गुडिया सिंह, ज्योति सक्सेना, एवं मंजू देवी, मंजू चौधरी एवं महिला पुलिस भी मौजूद रहे ।

शहाबुद्दीन को आल इंडिया कौमी एकता का जिलाध्यक्ष बनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व केन्द्रीय मंत्री ऑल इंडिया कौमी तंजीम राष्ट्रीय

अध्यक्ष तारिक अनवर व ऑल इंडिया कौमी तंजीम प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद तालिब अली द्वारा शाहबुद्दीन को गौतम बुध नगर जिलाध्यक्ष आल इंडिया कौमी तंजीम का मनोनीत किया गया है।

धरती के फेफड़ों' को बचाने में जुटी ब्राजील सरकार, वनों की कटाई में पिछले महीने की तुलना 66% से अधिक आई गिरावट

ब्रासीलिया, (ब्राजील)। घने और बड़े जगंलों में शुमार दुनिया का सबसे बड़ा वर्षा वन ब्राजील में स्थित है। धरती का फेफड़ा कहे जाना वाला अमेजन जंगल से एक बड़ी अच्छी खबर सुननने को मिल रही है। अमेजन वर्षावन में वनों की कटाई में पिछले महीने 66ज्ञ् सिल्वा ने बताया कि इसी साल अगस्त में ब्राजीलियाई अमेजन में वनों की कटाई में 66 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले साल के इसी महीने की तुलना में अगस्त में यह गिरावट दर्ज की गई है। जुलाई में साल-दर-साल 66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। जुलाई और

से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। अमेजन डे के अवसर पर आयोजित एक समारोह में ब्राजील के पर्यावरण मंत्री मरीना सिल्वा ने इसकी जानकारी दी।जुलाई और अगस्त का महीना अमेजन जंगलों के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि शुष्क मौसम की शुरुआत के साथ साल के इस समय में वनों की कटाई आम तौर पर बढ़ जाती है। अमेजन डे के अवसर पर आयोजित एक समारोह में ब्राजील के पर्यावरण मंत्री मरीना अगस्त का महीना अमेजन जंगलों के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि शुष्क मौसम की शुरुआत के साथ साल के इस समय में वनों की कटाई आम तौर पर बढ़ जाती है। धुर दक्षिणपंथी जायर बोल्सोनारो के आखिरी कार्यकाल के दौरान अगस्त 2022 में ब्राजीलियाई अमेजन में वनों की कटाई से 1,661 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र नष्ट हो गया था। ब्राजील के अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, द्वारा सैटेलाइट निगरानी से इसके बारे में पता चला है।

मैहर भाजपा से 18 साल का हिसाब लेने जा रहे युंका कार्यकर्ता काले झंडे के साथ गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर। आज भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा मैहर पहुंची जिसमे प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा

उपस्थित रहे इसी दौरान युवा कांग्रेस के निर्वाचित प्रदेश सचिव ब्रजेंद्र शर्मा छोटू के मार्गदर्शन में व युवा कॉग्रेस मैहर के निर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष सौरभ शर्मा (लल्ला) के नेतृत्व में प्रदेश के गृह मंत्री व शिवराज सरकार के 18 सालों का हिसाब लेने जा रहें युंका कार्यकर्ताओं को पुलिस ने जबर्जस्ती मैहर युवा कांग्रेस छोटू शर्मा के कार्यालय में घुसकर विधानसभा अध्यक्ष लल्ला को व उपस्थित सभी युवा साथियों कार्यकर्ताओं को जबरजस्ती गिरफ्तार कर मैहर थाने में बैठाया गया । विधनसभा अध्यक्ष लल्ला ने कहा कि भाजपा , कांग्रेस कार्यकर्ताओं से इतना डरती क्यूं है ये भय दिखाता हैं कि अब जनता का आशीर्वाद भाजपा के विपरीत है जिसका जीता जागता उदाहरण आज मैहर मे देखने को मिला जन आशीर्वाद यात्रा में जन का तो पता नहीं बल्कि धन से बुलाई गई गाडियां नजर आ रही थी अब जनता इनके झूठे खोखले वादे से पूर्ण तरह से परिचित हो चुकी है अब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने का मन जनता ने खुद बना लिया है कांग्रेस व युवा कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता हर वर्ग हर समाज के साथ न्याय करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हैं... जिसमे मुख्य रूप से विधानसभा उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा (प्राशु) , जिला महासचिव शुभम त्रिपाठी, आदर्श पुरी, सुधीर गोस्वामी (फ़ूफ़ा) , शहर अध्यक्ष लवकुश त्रिपाठी, अभिनव सिंह परिहार, कान्हा चौरसिया, अजय कुशवाहा, जितेंद्र कुशवाहा, विकाश साहू, सचिन साहू, राजा राम , राज गुप्ता , विधानसभा महासचिव हर्ष लालवानी , नीतीस चौरसिया , आकाश कुशवाह , अनस खाऩ , अभिषेक सिंह , अभिषेक चौधरी सहित काफ़ी मैहर युवा कॉग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित होकर विरोध किया ।

धोखेबाजी बैंक से फर्जी तरीके से पैसे निकालने वाला सरपंच रविंद्र गिरफ्तार

बदेरा टीआई अरुण सोनी यातायात टीआई सतना संतोष तिवारी पुलिस टीम ने खेराबंदी कर पकड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)

मैहर।फरार सरपंच कई दिनों से बदेरा पुलिस को दे रहा था चकमा,टीआई अरुण सोनी, यातायात सतना टीआई संतोष तिवारी ने घेराबंदी कर मझगवां के पास दबोचा बदेरा थाना अंतर्गत सरपंच रविंद्र पुत्र रामनरेश मिश्रा उम्र 40 वर्ष निवासी रूझौरी ने अपने ही गांव के गिरधारी कोल और ओमप्रकाश कोल के साथ मिलकर,लल्ली कोल वह कौशल्या कोल की जमीन हड़पने की योजना बनाई। आरोपी ने पहले महिलाओं को सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित करा दिया फिर गिरधारी वह ओमप्रकाश को दोनों के पुत्र बताकर जमीन का नामांतरण उनके नाम करा दिया, और धोखाधड़ी कर लाखों रुपए निकाल लिए,धोखाधड़ी का मामला न्यायालय पहुचा और आदेश पर ईंदें हो गई,आरोपी को ईंदेंकी जानकारी न्यायालय के बाहर से ही मिल गई थी मौका मिलते हो गया था आरोपी फरा,एसपी ने इस काम की जिम्मेदारी यातायात टीआई संतोष तिवारी और टीआई बदेरा को दी,साइबरसेल लगातार नंबरों की जांच कर लोकेशन निकलता रहा लेकिन हाथ कुछ नहीं लगा तत्पश्चात संतोष तिवारी के मुखबिर ही काम आए और संतोष तिवारी पहले जबलपुर पहुंचे फिर एक मुखबिर की मदद ली फिर वहां से सतना पहुंचे और एक जरूरी नंबर खोज निकाला जिसकी लोकेशन मझगवां के पास थी,और एक तरफ से अरुण सोनी ने घेराबंदी की और दूसरी तरफ संतोष तिवारी ने,और आरोपी दबोचा गया,आरोपी की कंबल कुटाई के बाद उसने बताया कि वो सतना जिला के दो नेताओं के संपर्क में था,और हाईकोर्ट में एंटीसिपेटरी बेल लेने के लिए वकील के संपर्क में था,और इसीलिए वह पकड़ा नहीं जा रहा था फिलहाल रविंद्र को पड़कर बदेरा ले जाया गया है जहां पर पूछताछ जारी है।

ब्राजील में चक्रवाती बारिश से हाहाकार, 22 लोगों की मौत, शहरों में कोहराम मचा रहा बाढ़ का पानी

ब्राजील। ब्राजील में इन दिनों चक्रवाती बारिश के चलते जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। देश में भारी बारिश की वजह से

22 लोगों की मौत हो गई है, जबकि शहर बाढ़ की चपेट में हैं। अधिकारियों ने मंगलवार (5 सितंबर) को बताया कि एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात दक्षिणी ब्राजील को प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से यहां के घरों में बाढ़ आ गई है, नदियां उफान पर हैं और लगभग दो दर्जन लोगों की जानें चली गई हैं। ब्राजील में इन दिनों चक्रवाती बारिश के चलते जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। देश में भारी बारिश की वजह से 22 लोगों की मौत हो गई है जबकि शहर बाढ़ की चपेट में हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात दक्षिणी ब्राजील को प्रभावित कर रहा है। इसकी वजह से यहां के घरों में बाढ़ आ गई है और नदियां उफान पर हैं। बाढ़ के पानी से बचने के लिए ब्राजील के लोग अपने सामानों को सुरक्षित स्थानों पर ले जा रहे हैं। लुआना दा लूज नाम के शख्स ने बताया, सुबह से हम देख रहे हैं कि हमारे घरों में बाढ़ का पानी आ रहा है और हम सामान को टेबल के ऊपर, लकड़ी के चूल्हे के ऊपर रख रहे हैं, लेकिन इससे कोई फायदा नहीं हुआ।

यूएस कैपिटल हमले में शख्स को हुई 22 साल जेल की सजा, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हैं गंभीर आरोप

वाशिंगटन। दक्षिणपंथी प्राउड बॉयज़ ग्रुप के एक पूर्व नेता को तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल पर हमले में उनकी भूमिका के लिए 22 साल जेल की सजा सुनाई गई है। आरोप है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी चुनावी हार को पलटने की कोशिश की थी। दक्षिणपंथी प्राउड बॉयज़ ग्रुप के एक पूर्व नेता को तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा 6 जनवरी 2021 को यूएस कैपिटल पर हमले में उनकी भूमिका के लिए 22 साल जेल की सजा सुनाई गई है। आरोप है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी चुनावी हार को पलटने की कोशिश की थी। एनरिक टैरियो नाम के शख्स को अब तक की सबसे लंबी सजा दी गई है। एनरिक टैरियो नाम के शख्स को 6 जनवरी 2021 के दंगों के संबंध में अब तक की सबसे लंबी सजा दी गई है। कोलंबिया जिले के लिए अमेरिकी

जिला कोर्ट में सजा की सुनवाई के दौरान संघीय अभियोजकों ने कहा, यह आतंकवाद का एक सोचा-समझा हमला था। उन्होंने इसकी तैयारी की थी और उन्होंने गलत सूचना के इस्तेमाल का समर्थन किया।ठ अगले 24 घंटों में इन 10 जिलों में होगी बारिश, दो-तीन दिन में गर्मी से मिलेगी राहत पिछले कई दिनों से प्रदेशभर में मानसून की रफ्तार पर पूरी तरह ब्रेक लग गया है। इस वजह से उमस और गर्मी बढ़ गई। लोगों को सुबह से लेकर रात तक भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इस बीच मौसम विभाग द्वारा मंगलवार से राज्य के कई जिलों में छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है।अगले दो-तीन दिनों में लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। कोर्ट ने देशद्रोही साजिश का दोषी हराया एनरिक टैरियो को कैपिटल पर हमले की योजना बनाने में उनकी भूमिका के लिए देशद्रोही साजिश का दोषी हराया गया।

राष्ट्रपति बाइडन जी-20 सम्मेलन में लेंगे भाग, भारत यात्रा के दौरान कोवीड-19 नियमों का करेंगे पालन

वाशिंगटन। भारत में हो रहे जी - 20 में अलग-अलग देशों के राष्ट्रअध्यक्ष आने वाले हैं। मेहमानों की लिस्ट में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल हैं। राष्ट्रपति बाइडन को लेकर संशय बना हुआ

था कि वह आएंगे या नहीं क्योंकि उनकी पत्नी और प्रथम महिला जिल बाइडन कोरोना संक्रमित चल रहीं हैं। इन सब खबरों के बीच व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन ने कोरोना की जांच कराई थी और उनकी रिपोर्ट नेगटिव आई है। जी-20 के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन के भारत यात्रा को लेकर संशय बना हुआ था कि वह आएंगे या नहीं।राष्ट्रपति बाइडन की पत्नी प्रथम महिला जिल बाइडन कोरोना संक्रमित हैइसको लेकर राष्ट्रपति बाइडन के आने की संभावनाओं पर सवालिया निशान थे लेकिन मीडिया सूत्रों की जानकारी के अनुसारबाइडन भारत दौरे पर आएंगे लेकिन वह अपनी भारत यात्रा के दौरान कोरोना नियमों का पालन करेंगे अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं होने की पुष्टि हुई है और वह जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बृहस्पतिवार को भारत जाएंगे तथा इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन जी20 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी भारत यात्रा और वियतनाम यात्रा के दौरान रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करेंग राष्ट्रपति जो बाइडन का कोरोना टेस्ट आया नेगटिव व्हाइट हाउस ने प्रेसीडेंट बाइडन के लिए मंगलवार को यह घोषणा 72 वर्षीय प्रथम महिला जिल बिडेन के सोमवार को कोविड-19 के पॉजिटिव टेस्ट रिपोर्ट के बाद आई। राष्ट्रपति बाइडन (80 वर्षीय) का उनकी पत्नी के पॉजिटिव टेस्ट के बाद सोमवार और मंगलवार को वायरस के लिए परीक्षण किया गया था, लेकिन राष्ट्रपति बाइडन के कोरोना परिणाम नकारात्मक थे। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति का परीक्षण दो बार नकारात्मक आया है और इस सप्ताह के अंत में भारत और वियतनाम की उनकी यात्रा योजना में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रपति बाइडन कर रहे हैं कोरोना नियमों का पालन व्हाइट हाउस द्वारा दी जा रही जानकारी के बैठक में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा गया कि राष्ट्रपति बाइडन सभी आवश्यक सावधानियां बरत रहे हैं और सीडीसी दिशानिर्देशों के अनुसार मानक प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं।

100 करोड़ से चंद कदम दूर 'ड्रीम गर्ल 2', 12वें दिन की इतनी कमाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे स्टारर फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' इन दिनों सिनेमाघरों से लेकर बॉक्स ऑफिस तक अपनी मजबूत

पकड़ बनाए हुए है। इस कॉमेडी फिल्म को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं, जिसके चलते हर दिन इस मूवी की कमाई में इजाफा देखने को मिल रहा है। ऐसे में आयुष्मान की 'ड्रीम गर्ल 2' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के 12वें दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो ये बताने के लिए काफी हैं कि फैंस पर 'ड्रीम गर्ल 2' की पूजा का जादू चल गया है। 12वें दिन 'ड्रीम गर्ल 2' ने की शानदार कमाई डायरेक्टर राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी 'ड्रीम गर्ल 2' से फैंस को काफी ज्यादा उम्मीदें थीं। आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की ये फिल्म उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह से खरी उतरती हुई नजर आ रही है। बीते 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'ड्रीम गर्ल 2' ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाई हुई है। इस बीच गौर करें 'ड्रीम गर्ल 2' के 12वें दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तरफ सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक आयुष्मान खुराना की इस फिल्म ने करीब 3 करोड़ का कारोबार किया है, जोकि वीक डे के हिसाब से काफी शानदार माना जा रहा है।इतना ही नहीं तुलना की जाए 11वें दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से तो 12वें दिन कमाई के आंकड़े में काफी इजाफा हुआ है। इस लिहाज से देखा जाए तो बहुत जल्द 'ड्रीम गर्ल 2' बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का जादुई आंकड़ा छू सकती है। 'ड्रीम गर्ल 2' ने कुल कमाए इतने करोड़ रिलीज के 12 दिन बाद भी 'ड्रीम गर्ल 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। हर दिन आयुष्मान खुराना की 'ड्रीम गर्ल 2' की कमाई में हो रही बढ़ोतरी ये बताने के लिए काफी है कि ऑडियंस की ओर से इस मूवी को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। बात करें 'ड्रीम गर्ल 2' के कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में तो अब तक इस फिल्म ने 91 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली और अब 100 करोड़ के क्लब में एंट्री लेने से ये फिल्म चंद कदम दूर है।

बॉक्स ऑफिस पर स्लो हुई 'गदर 2' की कमाई, 26वें दिन महज इतना कलेक्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सनी देओल की 'गदर 2' बीते समय से बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर हर दिन चर्चा का विषय बनती है। ये लाजमी भी है सबसे कम समय में 500 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर सनी और अमीषा पटेल की इस मूवी ने इतिहास जो रच दिया है। बॉक्स ऑफिस लगातार तीन सप्ताह से ज्यादा समय तक धमाकेदार कमाई करने वाली गदर 2 की रफ्तार अब धीमी होती नजर आ रही है। 25वें दिन के बाद 26वें दिन भी सनी देओल स्टारर गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर काफी कम कमाई की है। इस बीच आइए जानते हैं कि बीते मंगलवार इस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया है। लेकिन 500 करोड़ के क्लब में एंट्री लेने के बाद से 'गदर 2' की कमाई की रफ्तार धीमी होती जा रही है। इस बीच 'गदर 2' के 26वें दिन के कलेक्शन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो ये बताने के लिए काफी हैं कि फिल्म की कमाई में पिछले दिनों की अपेक्षा कटौती

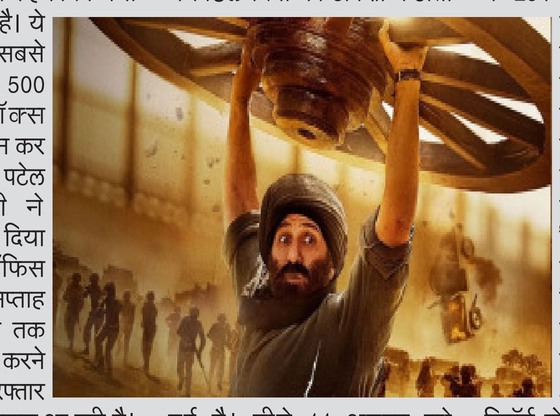

हुई है। बीते 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई डायरेक्टर अनिल शर्मा की इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों को बखूबी जीता है। तारा सिंह और सकीना की जोड़ी ने 22 साल के लंबे इंतजार के बाद 'गदर 2' से अपनी छाप छोड़ी है। ऑडियंस से लेकर क्रिटिक्स तक हर किसी ने 'गदर 2' को अच्छा रिस्पॉन्स दिया है, जिसके चलते ये धमाकेदार फिल्म 500 करोड़ का ऐतिहासिक कलेक्शन करने में सफल रही है, हालांकि इसके बाद से ही फिल्म की कमाई का ग्राफ कम होता चला जा रहा है। गौर करें 'गदर 2' के 26वें दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तरफ तो सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक बीते मंगलवार को सनी देओल स्टारर इस मूवी ने करीब 2-3 करोड़ के बीच में कमाई की है, नहीं है कि रिलीज के 26 दिन बाद भी दर्शक इस मूवी को सिनेमाघरों में देखने के लिए जा रहे हैं। 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर किया इतने बिजनेस बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ का रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन करने वाली 'गदर 2' अब भी हार मानने का नाम नहीं ले रही है। बेशक फिल्म की कमाई में हर दिन के हिसाब से गिरावट आई, लेकिन धीमे-धीमे रोज फिल्म का कुल कलेक्शन आगे बढ़ रहा है। चर्चा की जाए 'गदर 2' के कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तो अब तक सनी देओल की इस फिल्म ने 26 दिन में 506 करोड़ से ज्यादा की शानदार कमाई कर ली है।

जवान' को मिला धर्मेंद्र का साथ, शाह रुख खान संग तस्वीर शेयर कर ही-मैन ने लिखी ये बात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। निर्देशक एटली के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'जवान' की रिलीज में महज 1 दिन का वक्त बाकी रह गया है। हर तरफ शाह

रुख खान स्टारर फिल्म 'जवान' की चर्चा चल रही है। धमाकेदार एक्शन से भरपूर एक्टर की इस मूवी के लिए हर कोई बेताब है। शाह रुख खान की फिल्म जवान की चर्चा इस समय हर तरफ हो रही है। फिल्म की रिलीज में महज 1 दिन का समय बाकी रह गया है। हर कोई शाह रुख की धमाकेदार फिल्म जवान का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस बीच हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने शाह रुख खान को फिल्म जवान के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस बीच हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र ने शाह रुख खान को फिल्म 'जवान' के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। इतना ही नहीं बॉलीवुड के ही-मैन ने किंग खान संग एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर कर बड़ी बात लिखी है। शाह रुख खान की फैन फॉलोइंग पूरी दुनिया में काफी ज्यादा है। हर कोई किंग खान को अपना फेवरेट एक्टर मानता है। इतना ही नहीं बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई बड़े कलाकारों के भी शाह रुख चहेते माने जाते हैं, उनमें से एक हैं धर्मेंद्र जो 'जवान' एक्टर को काफी पसंद करते हैं। इस बीच फिल्म जवान की रिलीज से 1 दिन पहले शाह रुख खान को धर्मेंद्र का आशीर्वाद मिला है। दरअसल धर्मेंद्र ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर शाह रुख खान संग एक थ्रोबैक फोटो को शेयर किया है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है- ''शाह रुख बेटे जवान के लिए आपको ढेर सारी शुभकामनाएं।'' इस तरह से हिंदी सिनेमा के ही-मैन ने शाह रुख को बेस्ट विशेस देते हुए प्यार लुटाया है।

हीरो बनने से पहले असिस्टेंट थे राकेश रोशन, फिर डायरेक्टर बन दीं हिट फिल्में

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर निर्माता-निर्देशक-एक्टर राकेश रोशन इस साल अपना 74वां जन्मदिन मना रहे हैं। राकेश रोशन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्मों में एक्टिंग से की, लेकिन निर्देशक के तौर पर सुपरहिट फिल्में बनायीं। राकेश रोशन के पिता हिंदी सिनेमा के मशहूर संगीतकार रोशन थे। उनका जन्म 6 सितंबर 1949 को मुंबई में हुआ था। फिल्ममेकर मोहन कुमार के असिस्टेंट के तौर पर उनका करियर शुरू हुआ। राजेंद्र कुमार की सिफारिश पर राकेश को 1970 में रिलीज हुई फिल्म 'घर-घर की कहानी' मिली, जिसमें वो सहायक भूमिका में थे। इसके बाद उन्होंने 'खेल-खेल में', 'खट्टा मीठा', 'तीसरी आंख' समेत कई फिल्मों में सहायक कलाकार की भूमिका निभाई थी। 1987 में राकेश रोशन ने फिल्म डायरेक्टर के तौर पर काम करना शुरू किया। बतौर डायरेक्टर उनकी पहली फिल्म 'खुदगर्ज' थी। इस फिल्म में जितेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा, गोविंदा, नीलम, अमृता सिंह और भानुप्रिया ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई थीं। राकेश ने जितनी फिल्मों का निर्माण-निर्देशन किया, सभी के शीर्षकों का पहला अक्षर 'क' रहा। इनमें से ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं।ये फिल्में हैं- 'खून भरी मांग', 'काला बाजार', 'किशन कन्हैया', 'खेल', 'किंग अंकल', 'करण अर्जुन', 'कोयला', 'कहो ना प्यार है', 'कारोबार', 'कोई मिल गया', 'कृष', 'क्रेजी 4', 'काइट्स', 'कृष 3', और 'काबिल'। करण अर्जुन

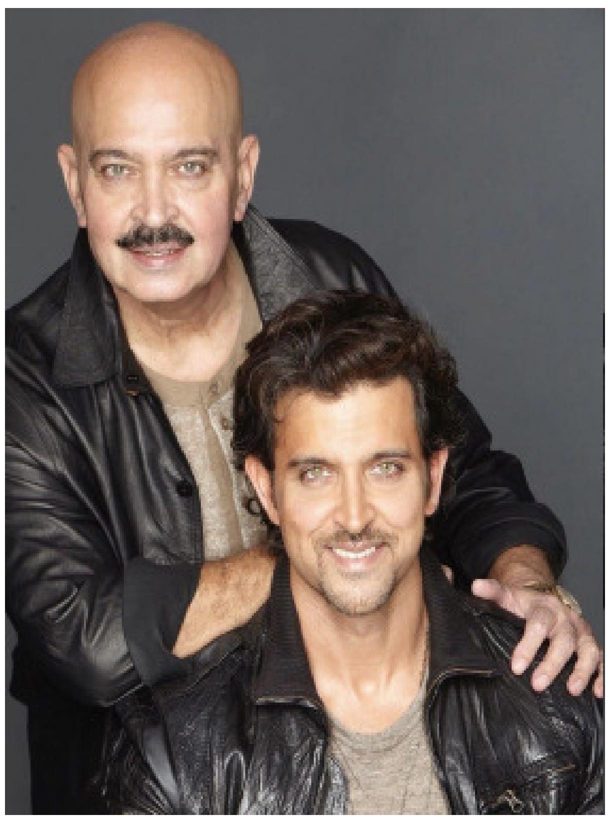

साल 1995 में रिलीज हुई 'करण अर्जुन' बड़ी हिट रही थी। पुनर्जन्म के विषय पर आधारित इस फिल्म में शाहरुख खान और सलमान खान के साथ काजोल और ममता कुलकर्णी लीड स्टार कास्ट में शामिल थीं। राखी गुलजार ने शाह रुख-सलमान की मां का रोल निभाया था। अमरीश पुरी फिल्म में खलनायक थे। इस फिल्म का संगीत भी काफी लोकप्रिय हुआ था। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर देखा जा सकता है।साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म से राकेश ने बेटे ऋतिक रोशन को लॉन्च किया था। यह फिल्म बहुत बड़ी सफलता बनी। इस रोमांटिक थ्रिलर फिल्म से गदर एक्ट्रेस अमीषा पटेल का बॉलीवुड करियर भी शुरू हुआ था। 'कहो ना प्यार है' ने अलग-अलग कैटेगरी में कुल 92 अवॉर्ड जीते थे, जो अपने आप में ही एक रिकॉर्ड है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर मौजूद है। कोयला शाह रुख खान के साथ राकेश साल 1997 में 'कोयला' लेकर आये थे। इस फिल्म में शाह रुख ने ऐसे युवक का रोल निभाया था, जो बोल नहीं सकता। माधुरी दीक्षित फीमेल लीड में थीं। अमरीश पुरी इस फिल्म में भी विलेन बने थे। यह फिल्म भी जी5 पर देखी जा सकती है। साल 2003 में रिलीज हुई राकेश रोशन के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म हिंदी सिनेमा की बेहतरीन स्पेस और एलियन फिल्म है। 'कोई मिल गया' के जरिए राकेश रोशन ने कॉमेडी के साथ इंसानियत का संदेश भी दिया। इस फिल्म के लिए राकेश रोशन को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर अवार्ड से सम्मानित किया गया था। ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा और रेखा प्रमुख भूमिकाओं में थे। साल 2006 में रिलीज हुई यह फिल्म 'कोई मिल गया' का सीक्वल थी। 'कृष' के जरिए राकेश रोशन ने सुपरहीरो की कहानी को बेहतरीन तरह से पर्दे पर दिखाया था। इस फिल्म में रितिक रोशन, प्रियंका चोपड़ा, रेखा और नसीरुद्दीन शाह ने मुख्य किरदार निभाया था। 2013 में इसका सीक्वल 'कृष 3' रिलीज किया गया था। अब फैंस को 'कृष 4' का इंतजार है।

इन टीवी धारावाहिकों में दिखीं कृष्ण की लीलाएं, महाभारत ने रचा था इतिहास

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भगवान श्री कृष्ण की लीलाएं इतनी लुभावनी हैं कि कभी फिल्म तो कभी धारावाहिक और

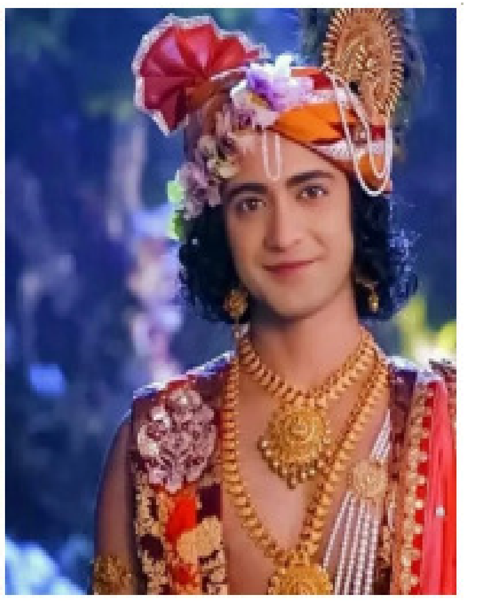

कभी एनिमेशन फिल्मों के जरिए इन्हें पर्दे पर लाया जाता रहा है। जन्माष्टमी का त्योहार आने में बस कुछ ही दिन बाकी हैं। इस दिन हर कोई भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को बड़े ही धूमधाम से मनाता है। भगवान श्री कृष्ण से जुड़ी आपने कई फिल्में और टीवी सीरियल देखे होंगे। इनमें कृष्ण के अलग-अलग रूपों को दर्शकों तक पहुंचाया गया है। चलिए इस जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जीवन पर बने कुछ सीरियल्स को देखते हैं। बाल कृष्ण से लेकर महाभारत के भीषण युद्ध तक, अलग-अलग कहानियां पर्दे पर आती रही हैं और इनमें भगवान कृष्ण के अलग-अलग रूप दर्शकों के बीच पहुंचते रहे हैं। छोटे पर्दे पर भी कई बार भगवान कृष्ण के जीवन और लीलाओं को दिखाया गया है। यह भारतीय टेलीविजन के सबसे ऐतिहासिक धारावाहिकों में से एक है। 2 अक्टूबर 1988 से यह सीरियल टेलीकास्ट होना शुरू हुआ था। बीआर चोपड़ा ने इस शो का निर्माण किया था। महाभारत की कहानी मुख्य रूप से कौरव और पांडवों के बीच हुए महाभारत के युद्ध के आसपास की घटनाओं को दिखाती है। यह टीवी सीरियल 18 जुलाई 1993 से दूरदर्शन पर टेलीकास्ट होना शुरू हुआ था। इस शो को रामानंद सागर ने भागवत पुराण के आधार पर बनाया था। इस शो में भगवान श्री कृष्ण की सभी लीलाओं को बहुत ही बारीकी से पर्दे पर दिखाया गया है। सर्वदमन डी बनर्जी ने शो में श्री कृष्ण का बेहतरीन किरदार निभाया था। इसके कुल 221 एपिसोड टेलीकास्ट हुए थे। 21 जुलाई 2008 से यह सीरियल टेलीकास्ट होना शुरू हुआ था। इस सीरियल में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को दिखाया गया। नटखट कृष्ण और उनकी मां यशोदा के साथ बाल गोपाल के साथियों के साथ ये शो लोगों का काफी पसंद आया। धृति भाटिया ने इस सीरियल में भगवान श्री कृष्ण के बाल किरदार को निभाया था। उन्होंने अपनी मासूम अदाकारी से लोगों का दिल जीत लिया था। सीरियल के कुल 285 एपिसोड टेलीकास्ट हुए थे।यह सीरियल 29 जून 2015 से सब टीवी पर प्रसारित होना शुरू हुआ था। इस सीरियल में श्री कृष्ण आज के दौर में धरती पर आकर लोगों को गीता का ज्ञान समझाते हुए नजर आये थे। इस शो की कहानी काल्पनिक थी, जिसे कॉमेडी का टच दिया गया था। सीरियल में सिद्धार्थ अरोड़ा ने भगवान कृष्ण का किरदार निभाया था। राधा कृष्ण यह सीरियल 1 अक्टूबर 2018 से 21 जनवरी 2023 तक स्टार भारत टीवी पर प्रसारित हुआ था। इस शो में भगवान श्री कृष्ण और राधा की कहानी को काफी डिटेल में दिखाया गया है। इस शो के 1145 एपिसोड टेलीकास्ट हुए थे। सीरियल में सुमेध मुद्गलकर ने श्री कृष्ण का किरदार निभाया था।यह सीरियल 4 जुलाई 2011 से 12 अप्रैल 2012 तक इमेजिन टीवी पर टेलीकास्ट हुआ था। शो में द्वारका का राजा बनने के बाद भगवान कृष्ण की कहानी को दिखाया गया है। सीरियल की शुरुआत कृष्ण मगध के राजा जरासंध के सहयोगी दुष्ट कालयवन के साथ युद्ध में शामिल होने से होती है, जो पहले ही राजकुमार कृष्ण के खिलाफ 16 लड़ाई हार चुका है। शो में विशाल करवाल ने श्री कृष्ण का किरदार निभाया था।

जाने जान' का सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर हुआ रिलीज, ओटीटी पर डेब्यू के लिए तैयार करीना कपूर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 'बदला और कहानी' जैसी कई शानदार फिल्में बनाने वाले मशहूर निर्देशक सुजोय घोष एक और शानदार थ्रिलर फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'जाने जान'।बड़े पर्दे अपनी अदाकारी का

जलवा बिखरने वालीं करीना कपूर बहुत जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नजर आएंगी। फिल्म जाने जान के जरिए करीना ओटीटी पर डेब्यू करेंगी। इस बीच जाने जान का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसको देखने से आपको ये अंदाजा लग जाएगा कि ये मूवी सस्पेंस से भरपूर होने वाली है। करीना कपूर, विजय वर्मा और जयदीप अहलावत स्टारर फिल्म 'जाने जान' का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया है। सस्पेंस से भरपूर इस ट्रेलर को देखने के बाद इस फिल्म के लिए आपकी एक्साइटमेंट काफी बढ़ जाएगी। रिलीज हुआ 'जाने जान' का ट्रेलर मशहूर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने अपने ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर 'जाने जान' का ट्रेलर रिलीज किया है। इस ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि ये फिल्म एक सस्पेंस थ्रिलर है, जो कहीं न कहीं किसी मर्डर मिस्ट्री से ताल्लुक रखती है।'जाने जान' फिल्म में करीना कपूर के किरदार का नाम माया डिसूजा दिखाया गया है, जिनके इर्द गिर्द पूरी फिल्म की कहानी घूमती हुई नजर आ रही है। एक्टर विजय वर्मा पुलिस ऑफिसर के रोल में दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक स्कूल टीचर की भूमिका में जयदीप अहलावत मौजूद हैं। खास बात ये है कि जयदीप का किरदार ट्रेलर देखने से काफी रोचक लग रहा है। सुजोय घोष निर्देशित 'जाने जान' के इस ट्रेलर को देखने के बाद हर कोई इस मूवी के लिए एक्साइटेड नजर आ रहा है। वहीं फिल्म का ये ट्रेलर इतना शानदार है, जिससे आप अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे। बता दें कि 'जाने जान' फिल्म के जरिए करीना कपूर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखने जा रही हैं।

कंगना रनोट ने देश का नाम बदलने पर दिया अपना रिएक्शन, लिखा- 'एक गुलाम नाम से मुक्त हो गए'

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इस वक्त देश भर में एक ही विवाद नजर आ रहा है और वो है देश का नाम इंडिया बदल कर भारत करना। अब इस पर आमजन से लेकर देश की राजनीति

पार्टी और फिल्मी सितारे भी अपना रिएक्शन दे रहे हैं। अमिताभ बच्चन ने भारत माता की जय का नारा लगाया है । तो वहीं अब कंगना रनोट ने भी अपना रिएक्शन दिया है । दरअसल एक्ट्रेस ने अपने बयान का एक पुराना पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने इंडिया नाम को खत्म करने की बात कही थी । जहां अमिताभ बच्चन ने 'भारत माता की जय' का नारा लगाया है। तो वहीं अब कंगना रनोट ने भी अपना रिएक्शन दिया है। दरअसल, एक्ट्रेस ने अपने बयान का एक पुराना पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने इंडिया नाम को खत्म करने की बात कही थी। मंगलवार को कंगना रनोट ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट को फिर से साझा किया, जिसमें उन्होंने साल 2021 में कहा था कि 'गुलाम नाम' इंडिया को खत्म कर देना चाहिए और इसकी जगह देश को 'भारत' कहा जाना चाहिए। अब इस पोस्ट को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, ठग्गी कुछ लोग इसे काला जादू कहते हैं...यह बस ये मैटर है प्रिये सभी को बधाई!! एक गुलाम नाम से मुक्त हो गए...जय भारत। कंगना ने अपने अकाउंट आज से दो साल पहले लिखा था, ठभारत तभी आगे बढ़ सकता है जब इसकी जड़ें प्राचीन आध्यात्मिकता और ज्ञान पर आधारित हों, जो कि हमारी महान सभ्यता की आत्मा है। दुनिया हमारी ओर देखेगी और अगर हम शहरी विकास में आगे बढ़ेंगे तो हम एक विश्व नेता के रूप में उभरेंगे, लेकिन पश्चिमी दुनिया की सस्ती नकल न बनें और वेदों, गीता और योग में गहराई से निहित रहें, क्या हम कृपया इस गुलाम नाम इंडिया को वापस भारत में बदल सकते हैं।'' अमिताभ बच्चन ने इस मामले में अपनी राय रखते हुए। बिग बी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर 'भारत माता की जय नारा' लिख कर ट्वीट किया है। इस पोस्ट के बाद कई फैंस ने अमिताभ के इस नारे को देश का नाम बदलने के मामले से जोड़ा और अपने-अपने रिएक्शंस दिए। कंगना रनोट जल्द डायरेक्टर सर्वेश मेवाड़ा की फिल्म तेजस में नजर आएंगी। इसके अलावा वह 'मणिकर्णिका रिटर्न्स: द लीजेंड ऑफ दिद्दा' में दिखाई देंगी। इसके अलावा वह इमरजेंसी और 'चंद्रमुखी 2' में नजर आने वाली हैं।

जी20 डिनर में शामिल होंगे जैकी श्रॉफ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां हो चुकी हैं। दिल्ली

से कई नेताओं व अभिनेताओं को इस बाबत आमंत्रित किया गया है। इसी क्रम में बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ को भी जी20 शिखर सम्मेलन के राष्ट्रिभोज के लिए निमंत्रण भेजा गया है। जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां हो चुकी हैं। दिल्ली से कई नेताओं व अभिनेताओं को इस बाबत आमंत्रित किया गया है। वहीं भारत के राष्ट्रपति के निमंत्रणपत्र पर इंडिया को भारत लिखे जाने पर भी काफी चर्चा हो रही है। ऐसे में जैकी श्रॉफ ने इस संदर्भ में अपना विचार रखा है।

वायरल मीम शेयर कर यूजर ने कहा क्या बॉलीवुड फिल्म बनाएगा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। वायरल मीम शेयर कर यूजर ने कहा- 'क्या बॉलीवुड फिल्म बनाएगा?' टी-सीरीज ने कर दिया एलान शश टी-सीरीज ने अपनी नई फिल्म का एलान बिल्कुल अप्रत्याशित अंदाज में किया है। सोशल मीडिया में यूजर्स अक्सर किसी मुद्दे या विषय पर फिल्म बनाने के लिए बॉलीवुड को चुनौती देते रहते हैं। ज्यादातर मामलों में इस पर ध्यान नहीं दिया जाता मगर टी-सीरीज ने इसे स्वीकार करते हुए फिल्म की घोषणा कर दी जिससे यूजर्स हैरान हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी वायरल खबर या मुद्दे पर सोशल मीडिया यूजर्स को इतना मसाला नजर आता है कि वो बॉलीवुड को उस विषय पर फिल्म बनाने के लिए आह्वान करने लगते हैं। मअक्सर ऐसी मांगें बस सोशल मीडिया तक सीमित रह जाती हैं, लेकिन टी-सीरीज ने ऐसी ही एक मांग का जवाब देकर चौंका दिया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।